RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः58 , शनिवार, 11 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

खड़गे पर विवादित बयान के खिलाफ कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन, हेमंत बिस्वा शर्मा का पुतला दहन 03

यूजीसी कानून के विरोध में गायघाट में गरजे सामाजिक कार्यकर्ता 04

कॉकटेल 2 का नया गाना जब तलक हुआ रिलीज, मस्ती में डूबीं रश्मिका... 07

संक्षिप्त समाचार

10 हजार से ज्यादा के ऑनलाइन-पेमेंट पर 1 घंटे का होल्ड

- गलत ट्रांजेक्शन कैंसिल करने का मौका मिलेगा, आ गया नया प्रस्ताव

मुंबई (एजेंसी)। जल्द ही ऐसा हो सकता है कि आपका 10 हजार से ज्यादा का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन तुरंत न हो। उसमें 1 घंटे की देरी हो सकती है। इससे ग्राहकों को गलत ट्रांजैक्शन रोकने या कैंसिल करने का मौका मिलेगा। देश में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड को रोकने के लिए आरबीआई ने ये प्रस्ताव रखा है। आरबीआई का मानना है कि जालसाज अक्सर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर जल्दबाजी में पैसे ट्रांसफर करवाते हैं, यह देरी उस दबाव को खत्म करेगी।

फिलहाल ज्यादातर डिजिटल ट्रांजैक्शन तुरंत होते हैं, जिससे यूजर को सोचने या गलती सुधारने का मौका नहीं मिलता। सीनियर सिटीजंस के लिए 'ट्रस्टेड पर्सन' सुविधा 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए सुरक्षा और सख्त होगी। 50,000 रुपए से ज्यादा के ट्रांजैक्शन के लिए एक ट्रस्टेड पर्सन (भरोसेमंद व्यक्ति) की मंजूरी जरूरी हो सकती है। यह फ्रॉड के खिलाफ सुरक्षा की एक दूसरी लेयर की तरह काम करेगा। अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति या मर्चेंट को पैसे भेज रहे हैं, जिसे आप जानते हैं, तो आप उसे अपनी व्हाइटलिस्ट में शामिल कर सकते हैं।

आपको प्रणाम कर रहे हैं पहले तो हम यहीं ना थे

- पुरानी संसद देख भावुक हुए बिहार सीएम नीतिश कुमार

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने शुक्रवार को संसद भवन में राज्यसभा सांसद पद की शपथ ली। वे पुराना संसद भवन देखकर भावुक हो गए। वे नए संसद भवन से मुस्कुराते हुए बाहर निकले। उनकी नजर सामने स्थित पुराने संसद भवन पर पड़ी तो वे उसे कुछ पल निहारते रहे। इसके बाद उन्होंने पुराने भवन की ओर हाथ उठाकर हिलाया और फिर हाथ जोड़ लिए। नीतिश कुमार 21 साल बाद संसद भवन में लौटे हैं। उन्होंने शुक्रवार को

राज्यसभा सदस्यता की शपथ ली और विधिवत सांसद बन गए। शपथ लेने के बाद वे अपने सुरक्षा कर्मियों और अन्य कुछ लोगों के साथ नए संसद भवन से बाहर आए। बाहर आने पर उनकी नजर जैसे ही पुराने संसद भवन पर पड़ी तो वे कुछ क्षण तक उसे देखते रहे। इसके बाद उन्होंने अपना हाथ उठाया और संसद भवन की ओर से ऐसे हिलाया जैसे किसी व्यक्ति से कुछ कहना चाह रहे हों। पुराने संसद भवन को निहारते हुए भावनाओं में डूबे नीतिश कुमार ने उसकी ओर हाथ हिलाया और फिर अभिवादन की मुद्रा में हाथ भी जोड़े। उन्होंने पुराने संसद भवन को देखते हुए हाथ जोड़कर कहा- आपको प्रणाम कर रहे हैं। पहले तो हम यहीं न थे। पुराने संसद भवन को देखकर नीतिश कुमार की स्मृतियां ताजा हो गई। वे मुख्यमंत्री बनने से पहले छह बार लोकसभा सांसद रहे थे। वे तीन बार केंद्रीय मंत्री भी रहे थे। वे सन 1989 में बिहार की बाढ़ लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर पहली बार संसद में पहुंचे थे।

स्वदेशी मिसाइलों से लैस होंगे 114 राफेल विमान

रक्षा मंत्रालय ने बनाया प्लान, खरीदो और बनाओ नीति तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत जिन 114 राफेल लड़ाकू विमानों को खरीदने का प्लान बना रहा है, उनको लेकर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि स्वदेशी रूप से विकसित मिसाइलों और हथियार प्रणालियों को इनमें एकीकृत किया जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक, मामले की जानकारी रखने वालों ने बताया कि खरीदो और बनाओ सौदे के तहत होने वाली सरकार-से सरकार डील में तथाकथित इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंट को अनिवार्य किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय से उम्मीद है कि वह अगले महीने फ्रांसीसी जेट निर्माता कंपनी डसॉल्ट को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी करेगा और उसके बाद अनुबंध पर बातचीत शुरू होगी। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 12 फरवरी को इस सौदे को मंजूरी दे दी थी।

96 फाइटर जेट भारत में ही बनाए जाएंगे

मामले के जानकार लोगों ने कहा कि योजना यह है कि 3.25 लाख करोड़ रुपये की इस मेगा डील के फाइनल कॉन्ट्रैक्ट में आईसीडी को पक्का कर दिया जाए। आईसीडी एक बहुत ही जरूरी सिस्टम इंजीनियरिंग डॉक्यूमेंट है, जो किसी सिस्टम और उसके सब-सिस्टम के बीच के सभी अहम प्रोटोकॉल को कंट्रोल और डिफाइन करता है। डीएसी द्वारा मंजूर किए गए प्रस्ताव के मुताबिक, 18 फाइटर जेट फ्रांस से फ्लाई-अवे कंडीशन में डिलीवर किए जाएंगे, जबकि बाकी 96 भारत में ही बनाए जाएंगे, जिनमें 25त्न से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल होगा। इस तरह की रिपोर्टों के बीच कि इस मेगा डील में एक रुकावट आ गई है, क्योंकि फ्रांसीसी राफेल निर्माता डसॉल्ट ने भारत को लड़ाकू विमान का सोर्स कोड देने से इनकार कर दिया है। रक्षा मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों ने पुष्टि की है कि कोई भी देश ये मालिकाना सॉफ्टवेयर कोड (जो रडार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट और हथियार एकीकरण को नियंत्रित करते हैं) किसी तीसरे देश को नहीं देता है और यह डील पूरी तरह से सही रास्ते पर है।

भारत तेजस पर दे रहा ध्यान

भले ही भारत ने अमेरिका या रूस, किसी से भी पांचवीं पीढ़ी के विमान खरीदने का कोई फैसला नहीं लिया है, लेकिन वह भविष्य के लिए स्वदेशी रूप से तेजस मार्क एल ए के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसके साथ ही, वह लंबी दूरी की मिसाइलों और दो इंजन वाले एल ए पर भी काम कर रहा है, ताकि विदेशी हवाई प्लेटफॉर्म, बियॉन्ड विजुअल रेंज हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर निर्भरता होगी।

बंगाल में यूसीसी व महिलाओं को 3000 का वादा

- गृहमंत्री अमित शाह ने जारी किया बीजेपी का संकल्प पत्र

घुसपैठ पर जीरो टॉलरेंस नीति, 7वें वेतन आयोग का वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल विधानसभा चुनाव के ठीक 13 दिन पहले शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने चुनावी वादों का पिटारा खोल दिया। गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पार्टी का चुनावी घोषणापत्र जारी किया। इस घोषणापत्र को पार्टी ने भरोसा पत्र नाम दिया गया है। इसमें महिलाओं से लेकर युवाओं तक, प्रमुख वोटर वर्ग के लिए नकदी के वादे किए गए हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को भाजपा का 'संकल्प पत्र' जारी किया।

बंगाल की महिलाओं के लिए किए बड़े वादे

संकल्प पत्र में महिलाओं के लिए कई अहम घोषणाएं की गई हैं। इसके तहत केजी से पीजी तक लड़कियों की शिक्षा मुफ्त करने और सरकारी नौकरियों में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया गया है। साथ ही हर महिला के बैंक खाते में हर महीने 3,000 रुपये देने की भी बात कही गई है। घोषणा पत्र में टीएमसी सरकार के कथित भ्रष्टाचार पर श्वेत पत्र जारी करने, सातवें वेतन आयोग को लागू करने का वादा किया है।

घुसपैठ को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति करेंगे लागू

अमित शाह ने कहा कि हमारी सरकार घुसपैठ को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति पर आगे बढ़ेगी। पश्चिम बंगाल की जनता को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि पूर्ण बहुमत की सरकार बनाइए। हम घुसपैठियों को बाहर निकाल देश और बंगाल को सुरक्षित बनाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि बकाया डीए भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा और सरकार बनने के 45 दिन के भीतर सातवें वेतन आयोग को लागू किया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि एक से पांच तारीख के भीतर हर महीने बीजेपी की सरकार हर माता के खाते में तीन हजार रुपये ट्रांसफर करेगी। आयुष्मान भारत समेत सभी केंद्रीय योजनाएं बंगाल में लागू करेंगे। उन्होंने छह महीने के भीतर यूसीसी लागू होगा।

कठिन राह और हौसलों की साइकिल पर भारत यात्रा

- 5700 किमी की दूरी तय कर कोलकाता पहुंचीं आशा

एनसीसी कैडेटों ने किया स्वागत, युवाओं में भरा जोश

कोलकाता (एजेंसी)। हजारों किलोमीटर की कठिन राह, बदलते मौसम, अनगिनत चुनौतियां- लेकिन हौसले बुलंद हों तो हर मंजिल करीब लगती है। इसी जज्बे की जीती-जागती मिसाल बनकर उभरी हैं आशा मालवीय, जिन्होंने अपनी साइकिल यात्रा के जरिए नारी शक्ति, देशभक्ति और अदम्य साहस का ऐसा संदेश दिया है, जिसने युवाओं के दिलों में नई ऊर्जा भर दी है। 78वें भारतीय सेना दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर की एथलीट, पर्वतारोही व साइक्लिस्ट आशा मालवीय ने 11 जनवरी 2026 को राजस्थान के जयपुर से 7,800 किलोमीटर लंबी देशव्यापी पूर्व-पश्चिम एकल साइकिल अभियान (यात्रा) की शुरुआत की थीं। इस सफर में वह राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड को पार करते हुए करीब 5,700 किलोमीटर की दूरी तय कर कोलकाता पहुंचीं, जहां गुरुवार को एनसीसी कैडेटों व अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। 7,800 किलोमीटर में से अब तक वह 5,700 किमी की दूरी तय कर चुकी हैं, जबकि उनका अंतिम लक्ष्य चीन की सीमा तक है।

दो अलग-अलग हादसों में 13 लोगों की मौत

- यमुना में स्टीमर डूबा, 10 पर्यटकों की मौत, वृंदावन में हादसा

रेस्क्यू के लिए इंडियन आर्मी पहुंची, सभी पंजाब के रहने वाले

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के वृंदावन में 30 पर्यटकों से भरा स्टीमर यमुना नदी में पलट गया। हादसे में 10 पर्यटकों की डूबने से मौत हो गई। स्टीमर में सवार सभी पर्यटक पंजाब से घूमने आए थे। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया, हादसा दोपहर करीब 3 बजे केसी घाट पर हुआ, जो श्रीबांके बिहार मंदिर से ढाई किमी की दूरी पर है। राहत और बचाव कार्य के लिए सेना आ गई है। गाजियाबाद से एनडीआरएफ की टीम भी वृंदावन आ गई है। डीआईजी शैलेश पांडेय ने बताया, पर्यटक 2 स्टीमर में सवार थे। एक पलट गया, जिस पर 25 से 27 लोग सवार थे। 10 लोगों की मौत हुई है। 12 घायलों को बाहर निकाल लिया गया है। 3 से 5 लोगों के अभी लापता होने की सूचना है। रेस्क्यू टीम लगातार सर्च कर रही हैं। पर्यटक मनोहर लाल ने बताया- हम सभी पंजाब में लुधियाना, हिसार, और मुक्तेश्वर से हैं। तेज हवा चल रही थी। यमुना नदी के बीच में स्टीमर अचानक तेज हवा से डगमगाने लगा। स्पीड भी बढ़ गई। तभी स्टीमर पीपा पुल (पांटून पुल) से टकराकर पलट गया। मथुरा डीएम सीपी सिंह ने वृंदावन नाव हादसे को लेकर बताया कि लुधियाना से 30 तीर्थयात्री आए थे। वे यमुना नदी में बोट से जा रहे थे। इसी दौरान बोट पलट गई। अभी तक 9 लोगों की डेडबॉडी मिली है। 16-17 लोग सुरक्षित निकाल लिए हैं। अन्य तीर्थयात्रियों को ढूंढ़ा जा रहा है। आर्मी और एनडीआरएफ टीम बुलाई गई है। हॉस्पिटलों को हाईअलर्ट पर रखा गया है। पंजाब से आए श्रद्धालुओं के वृंदावन घूमने के क्रम में हादसे की जानकारी सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार, श्रद्धालुओं से भरी नाव पांटून ब्रिज से टकराकर पलट गई।

हिमाचल के कांगड़ा में भीषण सड़क हादसा

- 90 फीट गहरी खाई में गिरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, 3 की मौत और 27 घायल

कांगड़ा (एजेंसी)। एनएच-503 पर ढलियारा स्थित 'खूनी मोड़' के पास राधा स्वामी सत्संग घर के नजदीक एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जिसमें 3 की मौत और 27 श्रद्धालुओं के घायल होने की सूचना है। एक ट्रैक्टर-ट्राली अनियंत्रित होकर करीब 90 फीट

गहरी खाई में जा गिरी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार, पंजाब के कपूरथला से श्रद्धालुओं का एक समूह ट्रैक्टर-ट्राली में सवार होकर देवी दर्शन के लिए हिमाचल आया हुआ था। श्रद्धालुओं ने पहले चिंतपूर्णी मंदिर में माथा टेका और इसके बाद ज्वालामुखी मंदिर के लिए रवाना हुए थे। बताया जा रहा है कि जैसे ही ट्रैक्टर ढलियारा के खतरनाक 'खूनी मोड़' के पास पहुंचा, अचानक ब्रेक फेल हो गए।

बैलगाड़ियां और ढोल लेकर फिर सड़क पर उतरे किसान

नए खरीद नियमों पर भड़के अन्नदाता, आंदोलन शुरू

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के किसानों ने गेहूं खरीद के नए नियमों का खुलकर विरोध किया है। बैलगाड़ी, ढोल-नगाड़ों और नारों के साथ उन्होंने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। नए नियमों में बायोमेट्रिक सत्यापन, वाहन ट्रैकिंग, जियोफेंसिंग और तीन स्तर की जांच शामिल है। किसान इन्हें बोझिल और अपमानजनक बता रहे हैं। यमुनानगर की सदहुरा मंडी और जिंद की जुलाना मंडी में किसानों ने पुरानी ट्रॉली और बैलगाड़ी से फसल लाकर सरकार के डिजिटल सिस्टम का विरोध जताया।

संयुक्त किसान मोर्चा ने शनिवार को चार घंटे हाईवे ब्लॉक करने की घोषणा की है। नए खरीद नियमों के तहत किसानों को पहले मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण कराना पड़ता है। मंडी पहुंचने पर बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन, ट्रैक्टर-ट्रॉली की फोटो, वाहन नंबर और जियोफेंसिंग के जरिए फसल की पुष्टि करनी होती है। सरकार का दावा है कि इससे पड़ोसी राज्यों से सस्ते चावल की घुसपैठ रोकी जा सकेगी।

प्राथमिकी में देरी पर उठे सवाल, प्रमिला हेल्थ सेंटर कांड में संचालक की गिरफ्तारी की मांग तेज

सागर सूरज

मोतिहारी। पकड़ीदयाल में प्रमिला हेल्थ केयर सेंटर से जुड़ा गंभीर मामला अब प्रशासनिक कार्यशैली और स्वास्थ्य व्यवस्था दोनों पर बड़े सवाल खड़े कर रहा है। ऑपरेशन के दौरान मरीज को छोड़कर डॉक्टर के फरार होने जैसी चौंकाने वाली घटना सामने आने के बावजूद अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं होना लोगों के बीच आक्रोश का कारण बन गया है। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने इसे प्रशासनिक लापरवाही करार देते हुए संबंधित पदाधिकारियों को सीधे कटघरे में खड़ा किया है। घटना के अनुसार, एसडीओ के निर्देश पर बीडीओ स्वर्ण वर्षा ने प्रमिला हेल्थ केयर सेंटर की जांच की, जहां पाया गया कि एक महिला मरीज का ऑपरेशन अधूरा छोड़ दिया गया था और डॉक्टर मौके से फरार हो गया। यह स्थिति न केवल चिकित्सा नैतिकता के खिलाफ है, बल्कि मरीज की जान

के साथ सीधा खिलवाड़ भी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने अस्पताल को तत्काल सील कर दिया और अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सकों की मदद से मरीज को बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी रेफर किया गया। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम में सबसे

बड़ा सवाल यह है कि इतनी गंभीर लापरवाही के बावजूद अब तक प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं की गई। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते एफआईआर दर्ज होती, तो दोषियों पर त्वरित कार्रवाई संभव होती। प्रशासन द्वारा केवल जांच की बात कहकर मामले को टालना आम जनता के भरोसे को कमजोर कर रहा है। इधर, स्थानीय लोगों ने प्रमिला हेल्थ केयर सेंटर के संचालक राजू कुमार की तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठाई है। जानकारी के अनुसार, राजू कुमार पचपकड़ी क्षेत्र में एक निजी क्लिनिक में पिछले तीन वर्षों से कार्यरत था और उसी अनुभव के आधार पर इस सेंटर का संचालन कर रहा था। लोगों का आरोप है कि बिना पर्याप्त योग्यता और अनुमति के इस तरह के क्लिनिक चलाना स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए खतरा बन चुका है। स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ऐसे अवैध क्लिनिक लंबे समय तक कैसे संचालित होते रहे। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि दोषी अधिकारियों और संचालक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। फिलहाल, प्रशासन ने जांच जारी होने की बात कही है, लेकिन जनता को अब कार्रवाई का इंतजार है, सिर्फ आश्वासन नहीं।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में नवविवाहिता की हत्या, पोखर में जलाकर फेका

हाजीपुर। वैशाली में जंदाहा थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि ससुराल वालों ने हत्या के बाद शव को घर से करीब 500 मीटर दूर चंबर के एक पोखर में जला दिया और अवशेषों को पोखर में फेंक दिया। यह घटना लक्ष्मीपुर बरबट्टा पंचायत के वार्ड संख्या 05 में हुई। बताया जा रहा है कि विवाहिता की हत्या रात के अंधेरे में की गई। इसके बाद ससुराल वालों ने देर रात को ही शव को जलाकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया। शव पूरी तरह जल जाने के बाद, आरोपियों ने शव और लकड़ियों के अवशेषों को पोखर में फेंक दिया। मृतका की पहचान 22 वर्षीय नीलम कुमारी के रूप में हुई है, जो रोहित कुमार की पत्नी थीं। उनकी शादी लगभग 11 महीने पहले हुई थी। नीलम कुमारी जंदाहा थाना क्षेत्र के हुद्हुदपुर गांव निवासी बिसुनधारी सिंह की पुत्री थीं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) टीम ने घटनास्थल से लेकर विवाहिता के ससुराल तक की गहन जांच की है। जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण सैंपल भी एकत्र किए गए हैं। इस संबंध में जंदाहा थाना अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि मृतका के मायके पक्ष की ओर से अभी तक कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन प्राप्त होते ही प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हाजीपुर में रोड एक्सीडेंट में महिला की मौत, रोड क्रॉस करते समय तेज रफ्तार गाड़ी ने मारी टक्कर

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर में शुक्रवार दोपहर एक सड़क हादसे में 28 वर्षीय महिला की मौत हो गई। यह घटना सदर थाना क्षेत्र के सुभाई चौक स्थित केनरा बैंक के सामने हुई। मौत के बाद गुस्सा लोगों ने सड़क मार्ग को जाम कर दिया। जिससे आवागमन पूरी तरीके से प्रभावित हो गई। मृतका की पहचान जंदाहा थाना क्षेत्र के दशप्रहा गांव निवासी सावित्री देवी के रूप में हुई है। उनके पति का नाम किशन राम है। पुलिस के अनुसार, सावित्री देवी सड़क पार कर रही थीं, तभी एक तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। सावित्री देवी पिछले एक महीने से अपने मायके दौलतपुर आई हुई थीं। उनके पिता का नाम सुरेन्द्र दास है। बताया जा रहा है कि वह हाजीपुर से अपनी बहन को ट्रेन पकड़वाकर मायके लौट रही थीं। वह अपने सात भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं। उनके दो बेटे हैं। सावित्री देवी कोलकाता में रहती थीं और एक महीने पहले ही मायके आई थीं।

बहलोलपुर दियारा में भैंस चराने पर फायरिंग, वैशाली में 2 पक्षों के बीच विवाद, 3 जिलों की पुलिस पहुंची

हाजीपुर। वैशाली के महनार थाना क्षेत्र अंतर्गत बहलोलपुर दियारा में भैंस चराने को लेकर दो पक्षों के बीच गोलीबारी हुई। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय थाना और डायल 112 पुलिस को सूचना दी गई। गोलीबारी की सूचना मिलते ही वैशाली, समस्तीपुर और पटना जिलों की पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने घटना के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक कार्रवाई में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, बहलोलपुर दियारा में भैंस चराने को लेकर दो पक्षों में पहले कहासुनी हुई। यह विवाद धीरे-धीरे बढ़ा और दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। बहलोलपुर दियारा क्षेत्र तीन जिलों और चार थाना क्षेत्रों में फैला हुआ है। मौके पर महनार, जुड़ावनपुर, पटोरी थाना और पटना की पुलिस टीम मौजूद है। महनार थाना अध्यक्ष के अनुसार, घटना स्थल जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र में पड़ता है, जो महनार थाना स्थल से लगभग तीन सौ मीटर दूर है। जिस किसान की जमीन को लेकर विवाद है, वह महनार थाना क्षेत्र का निवासी है। फिलहाल पुलिस मौके पर मौजूद है और सीमा निर्धारित होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लकड़ी मिल में लगी आगःलाखों की लकड़ी और मशीनें जलकर राख, मालिक ने शॉर्ट सर्किट से किया इनकार

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर बाजार स्थित एक लकड़ी मिल में भीषण आग लग गई। इस घटना में लाखों रुपए की कीमती लकड़ी, मशीनें और तैयार सामान जलकर राख हो गए। आग लगने के कारण को लेकर मिल मालिक और अग्निशमन विभाग के बयानों में विरोधाभास है। यह घटना बिदुपुर बाजार में भारत पेट्रोल पंप के उत्तर में स्थित अमरनाथ शर्मा मिल में बीती रात हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी थी। आग इतनी भीषण थी कि मिल में रखा लाखों का सामान पूरी तरह नष्ट हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, मिल मालिक रात में मिल बंद कर घर चले गए थे। आग फैलने के बाद इसकी सूचना मिल मालिक और अग्निशमन विभाग को दी गई। अग्निशमन विभाग की दमकल गाड़ी तुरंत मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के सहयोग से करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक मिल का अधिकांश सामान जल चुका था। मिल मालिक अमरनाथ शर्मा और उनके परिवार के सदस्यों ने बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात से इनकार किया है। उनका कहना है कि मिल बंद करते समय वे मुख्य बिजली आपूर्ति का स्विच पूरी तरह बंद कर देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मिल के बाहर रखी चौकी पर कुछ स्थानीय नशेड़ी गांजा और स्मैक का सेवन करते हैं, और उनकी जली हुई चिंगारी से आग लगी हो सकती है। मिल मालिक ने बताया कि लाखों के नुकसान के बावजूद वे इस घटना की कोई शिकायत दर्ज नहीं कराएंगे। उनका तर्क है कि मिल का बीमा नहीं है और न ही स्टॉक व मशीनों के मूल्य के कोई कागजात हैं, जिससे उन्हें कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलेगा। वहीं, अग्निशमन विभाग के दमकल चालक दीपक सिंह ने आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट ही बताया है। उन्होंने पुष्टि की कि मिल में रखी सभी कीमती लकड़ियां आग में पूरी तरह जलकर राख हो गईं।

वैशाली में बाइक चोरी सीसीटीवी में कैद, चोर का चेहरा दिखा, मास्टर चाबी से खोला लॉक; फरार

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चकोसन बाजार स्थित विनोद वस्त्रालय के सामने से एक स्प्लेंडर बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। यह वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिससे चोरी की पूरी घटना स्पष्ट होती है। बाइक मालिक कुंदन यादव (पिता अनिल राय, ग्राम जहांगीरपुर श्याम, थाना चांदपुरा ओपी) ने बिदुपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वह घर से बाजार मार्केटिंग करने निकले थे। इसी दौरान उन्होंने अपनी स्प्लेंडर बाइक (रजिस्ट्रेशन नंबरः BR31AE6704) को विनोद वस्त्रालय के सामने खड़ा किया और मार्केटिंग के सिलसिले में चले गए। जब वह वापस लौटे तो उनकी बाइक गायब थी। सीसीटीवी फुटेज में देखा तो पता चला कि एक युवक आराम से बाइक के नजदीक पहुंचता है और मास्टर चाबी की मदद से लॉक खोलकर बाइक लेकर फरार हो जाता है। पूरी वारदात को अंजाम देने में चोर को महज कुछ सेकंड लगे। हालांकि, कैमरे के एंगल और रोशनी मे चोर का चेहरा साफ दिख रहा है। बाइक मालिक कुंदन यादव ने बताया कि वह सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर को पकड़ने के लिए खुद भी जुटा हुआ है। ओर प्रशासन को भी लिखित शिकायत दर्ज कराई है। इधर, घटना को गंभीरता से लेते हुए बिदुपुर थाने की पुलिस सक्रिय हो गई है। सीसीटीवी फुटेज और चोर का फोटो के आधार पर जांच शुरू कर दी है। वही इसकी फोटो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रही है, ताकि लोगों की मदद से आरोपी की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल, पुलिस आसपास के अन्य सीसीटीवी फुटेज खंगालने और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर जांच कर रही है।

पीट छात्रा रेप-मौतः प्रदर्शन पुलिस से भिड़े प्रदर्शनकारी

एजेंसी, पटना

पटना में NEET छात्रा रेप मौत मामले को लेकर शुक्रवार को सड़कों पर गुस्सा फूट पड़ा। इनकम टैक्स चौराहे से भारी संख्या में प्रदर्शनकारी CBI ऑफिस का घेराव करने निकले। पुलिस ने सभी को इनकम टैक्स चौराहे पर बैरिकेडिंग कर रोका था। प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ गए और आगे निकलने की कोशिश करने लगे। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सूत्रों के अनुसार, जहानाबाद से बसों के जरिए सैकड़ों लोग पटना पहुंचे। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं।

लोग मामले में CBI जांच में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हाथों में तख्तियां लेकर सड़कों पर उतरे। प्रदर्शन में शामिल मृतका की मां ने कहा, 'CBI जांच पर भरोसा नहीं है। मैं दोषियों के खिलाफ फांसी की सजा की मांग करती हूं। जल्द से जल्द CBI कार्रवाई करे।' मजिस्ट्रेट प्रदर्शनकारियों के 5 सदस्यीय टीम को सीबीआई दफ्तर लेकर गए हैं। सीबीआई अधिकारी से उनकी मुलाकात होगी।

पप्पू यादव बोले- जहाबाद की बेटी पर नेता क्यों चुप हैंः NEET छात्रा मामले को लेकर इस प्रदर्शन में सांसद पप्पू यादव भी शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि, 'इस देश का समाज दोषी है। हम लोग कायर सोसाइटी में हैं। आप फारबिसगंज की घटना नहीं देख रहे हो। CBI तो यह कह रही है कि पप्पू यादव ने प्रदर्शन करने के लिए कितने रुपए दिए।

कल एक जहानाबाद के मित्र से पूछ रहा था कि आप डॉक्टर सतीश की गिरफ्तारी क्यों नहीं कर रहे हो, वॉर्डन की गिरफ्तारी क्यों

नहीं कर रहे हो, चार्ज शीट क्यों नहीं दाखिल कर रहे हो, कोई बेटी सुरक्षित है क्या इन नेताओं से? चार बार लोकसभा में मामला उठा चुका हूं, क्यों कोई नेता बेटी के बारे में नहीं बोलता है। नोटिस के सवाल पर उन्होंने कहा कि, 'मुझे काहे का नोटिस मिलेगा। मैं 3 में ना 13 में हूं। मैं बेटी के लिए लड़ता रहा हूं

♦ **मां बोली- सीबीआई जांच पर भरोसा नहीं, बेटी का हत्यारा कौन, पप्पू यादव भी शामिल हुए**

और जब तक जिंदा रहूंगा लड़ते रहूंगा।'

4 महीने हो गए, CBI किसी नतीजे तक नहीं पहुंचीः प्रदर्शन में शामिल पुष्कर आनंद ने कहा कि, '4 महीने बीत गए, लेकिन अभी तक CBI किसी नतीजे तक नहीं पहुंची। यहां तक की चार्जशीट तक भी दाखिल नहीं हो पाई है। आखिर किसके दबाव में लीपापोती हो रही है। क्यों नहीं सीबीआई किसी नतीजे तक नहीं पहुंच रही है। हम लोग चार्ज शीट दाखिल करने और मृतका को न्याय दिलाने के लिए इनकम टैक्स चौराहा से सीबीआई दफ्तर तक प्रदर्शन कर रहे हैं।'

महिला आयोग अब गांव-गांव जाकर महिलाओं को करेगी जागरूक

एजेंसी, पटना

बिहार राज्य महिला आयोग अब गांव में जाकर महिलाओं को अपने अधिकार के प्रति जागरूक करेगी। इसे लेकर अब गांव में कैंप लगाए जाएंगे। इस कार्यक्रम का नाम 'महिला आयोग आपके द्वार, जानिए अपने हक और अधिकार' रखा गया है। 11 अप्रैल से इस कार्यक्रम की शुरुआत हो रही है, जो समस्तीपुर से शुरू होकर बिहार के विभिन्न जिलों में जाएगी। इस कार्यक्रम में महिलाओं के प्रति हो रहे हैं अत्याचार और अन्याय के खिलाफ महिला आयोग वंचित महिलाओं से बातचीत करेगी और उन्हें अपने हक और अधिकार के लिए सजग करेगी।

महिला आयोग गांव-गांव जाकर महिलाओं को सजग करेगीः बिहार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष प्रो अप्सरा ने कहा कि गांव और प्रखंड की महिलाएं जो महिला आयोग को नहीं जानती हैं, तो ऐसे में हमारा कर्तव्य बनता है कि उन्हें जागरूक किया जाए। इसलिए महिला आयोग अब गांव-गांव जाकर ऐसी महिलाओं को सजग करेगी। इस कार्यक्रम की शुरुआत 11 अप्रैल से हो रही है और सबसे पहले हमने समस्तीपुर के एक गांव को चुना है। उजियारपुर और सरायरंजन के

बॉर्डर पर स्थित एक गांव में हम लोग शुक्रवार को कैंप लगाने जा रहे हैं। दो प्रखंडों की वंचित महिलाओं का हमारे इस कैंप में स्वागत रहेगा।

1000 महिलाओं के आने की उम्मीदः अध्यक्ष ने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम के लिए समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी को आमंत्रित किया गया है, ताकि वह आकर इस कार्यक्रम का उद्घाटन करें। इस कार्यक्रम में लगभग 1000 महिलाओं के आने की उम्मीद है। इसके लिए जिले के डीएम को सूचित कर दिया गया है। महिला आयोग पहली बार ऐसा कोई कार्यक्रम करने जा रही है इससे पहले जिला मुख्यालय में कोई भी कैंप लगाया जाता था, जिसमें प्रताड़ित महिलाएं जाकर आवेदन देती थी। इस कैंप का लाभ शहरी महिलाएं ज्यादा उठा पाती थी क्योंकि वह पढ़ी-लिखी होती थी मगर गांव में रहने वाली वंचित महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में पता ही नहीं है जिन्हें जागरूक करना जरूरी है।

किशनगंज के तत्कालीन एसडीपीओ गौतम कुमार पहुंचे पटना ईओयू दफ्तर

एजेंसी, पटना

किशनगंज के तत्कालीन एसडीपीओ गौतम कुमार की भ्रष्टाचार मामले में मुश्किलें बढ़ गई हैं। आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने उन्हें पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में एक नई संपत्ति का खुलासा होने के बाद शुक्रवार को पूछताछ के लिए फिर तलब किया है।

सिलीगुड़ी में दो मंजिला मकान का खुलासाः EOU की जांच के दौरान एक बेहद ही चौंकने वाला खुलासा हुआ था। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में गौतम कुमार के एक दो मंजिला मकान है। यह मकान उनकी महिला मित्र शगुफ्ता शमीम के नाम पर बागडोगरा निबंधन कार्यालय से जुलाई 2025 में पंजीकृत कराया गया था। इस नई संपत्ति के खुलासे के बाद EOU ने उन्हें दोबारा बुलाया है। हालांकि, EOU की टीम ने इसकी पुष्टि की थी की मकान का असली मालिक

गौतम कुमार ही है।

पहले भी हो चुकी है लंबी पूछताछः इससे पहले सोमवार को गौतम कुमार EOU दफ्तर पहुंचे थे, जहां उनसे करीब चार घंटे तक पूछताछ की गई थी। इस पूछताछ के बाद बिहार सरकार ने कार्रवाई करते हुए गौतम कुमार को निलंबित कर दिया था।

दस्तावेजों के साथ पेश होने का निर्देशः शुक्रवार को गौतम कुमार को दस्तावेजों के साथ EOU के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया है। उम्मीद है कि इस पूछताछ के बाद भ्रष्टाचार मामले में कई और अहम खुलासे हो सकते हैं।

14.900 किलो गोल्ड लूट का खुलासा, 3 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना में कस्टम अधिकारी बनकर स्वर्ण कारोबारी से करोड़ों का 14.900 kg गोल्ड लूटा गया था। इस मामले का आज पुलिस ने खुलासा किया है। तीन आरोपियों को मेहंदी गंज इलाके से गिरफ्तार किया गया है। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने पीसी कर पूरे मामले की जानकारी दी। एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया आरोपियों के पास से 5.400 ग्राम सोना, 9 राउंड गोली, 1.97 लाख रुपये कैश बरामद किये गए हैं। कारोबारी की पिछले डेढ़ साल से अपराधी रेकी कर रहे थे। कई बार चाय पीने के दौरान भी रेकी की गई। इस घटना में 8 से 9 अपराधी शामिल थे, जिनकी गिरफ्तारी के लिए दूसरे राज्यों में भी छापेमारी चल रही है।

घटना के बाद नौबतपुर भागे, ट्रेन से हुए फरारः इस कांड का मुख्य सरगना अमरनाथ उर्फ गोपी है, इसी ने पूरी लूट की प्लानिंग बनाई गई थी। गुड्डू ने गाड़ी उपलब्ध कराई थी। घटना को अंजाम देने के बाद सभी बदमाश नौबतपुर गए थे। वहां से फिर ट्रेन के जरिए फरार हो गए थे। अपराधियों की गिरफ्तारी मेहंदीगंज थाना क्षेत्र से हुई है। पकड़े गए अपराधियों का नाम अमरनाथ उर्फ गोपी, आदित्य गिरी उर्फ सोनी और संजय कुमार है। पूछताछ में पता चला है कि यूट्यूब देखकर कस्टम अधिकारी

बनने की प्लानिंग की थी। ताकि किसी को शक वगैरह नहीं हो।

डेढ़ साल से कर रहे थे कारोबारी की रैकीः पिछले डेढ़ साल से बदमाशों को कारोबारी के आने की सटीक जानकारी नहीं मिल पा रही थी। आने से जाने तक एक डायरी में सब कुछ बदमाशों ने अपडेट किया था। घटना को अंजाम देने के बाद उसे जला दिया। मास्टरमाइंड अमरनाथ उर्फ गोपी शातिर बदमाश रहा है। इसके अपराधी के इतिहास में मिले हैं। डकैती के मामले में जेल भी जा चुका है। दरअसल, पटना में गुजरात के कारोबारी के स्टाफ से बीते शनिवार को 14.900 kg किलो सोने की लूट हुई थी। कस्टम अधिकारी बनकर अपराधियों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया थी। ये वारदात दानापुर के खगौल थाना क्षेत्र में हुई थी। गुजरात के कारोबारी के स्टाफ और राजकोट

❐ **डेढ़ साल से कारोबारी की कर रहे थे रैकी, यू-ट्यूब देख नकली कस्टम अधिकारी बने, फिर की लूटपाट**

के रहने वाले महेश को पटना में बंधक बना लिया गया। उससे सोने से भरा बैग बदमाशों ने लूट लिया और इसके बाद महेश को छोड़कर फरार हो गए। लूटे गए 14.900 kg किलोग्राम सोने की कीमत आज के हिसाब से करीब 20 करोड़ से ज्यादा की होगी।

गुजरात के राजकोट निवासी महेश मामतोरा और प्रिंस रामपरिया नामक दो व्यापारी अहमदाबाद से सहरसा एक्सप्रेस के जरिए दानापुर पहुंचे थे। वे केबीएस एंड संस के मालिक सुनील भाई का सोने का जेवर लेकर पटना के बाकरगंज जा रहे थे। दानापुर रेलवे स्टेशन से बाकरगंज जाने के लिए दोनों ने एक ऑटो बुक की। जैसे ही उनका ऑटो खगौल ओवरब्रिज के बीच पहुंचा, पुलिस का स्टीकर लगी एक कार और दो मोटरसाइकिल पर सवार 5 से 7 बदमाशों ने दोनों को घेर लिया। सभी बदमाश सफेद शर्ट और खाकी पैंट पहने हुए थे। उन्होंने खुद को कस्टम अधिकारी बताकर जांच के नाम पर व्यापारियों के तीनों बैग जब्त कर लिए थे।

'बीजेपी के दबाव में राज्यसभा गए नीतीश कुमार'

♦ **तेजस्वी ने कहा- विधानसभा में वो बोलते तो सदन स्थगित कर देते थे, नेता प्रतिपक्ष को मिली सैलरी**

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ली। जल्द ही वे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। अब इसको लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, विधानसभा चुनाव के दौरान ही महागठबंधन ने स्पष्ट कर दिया था कि इस तरह की राजनीतिक स्थिति नहीं रहने दी जाएगी, लेकिन एनडीए के नेताओं ने जनता को गुमराह किया।

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव के समय एनडीए के नेता 25 से 30 साल तक नीतीश कुमार के नेतृत्व की बात कर रहे थे, लेकिन अब अचानक सरकार में बदलाव किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर यही निर्णय लेना

था, तो चुनाव से पहले क्यों नहीं बताया गया। तेजस्वी ने कहा, यह फैसला नीतीश कुमार की इच्छा से नहीं बल्कि बीजेपी के दबाव में लिया गया है। उन्होंने बिहार की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि राज्य की हालत लगातार बद से बदतर होती जा रही है। बेरोजगारी और पलायन जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरते हुए उन्होंने पूछा कि आम लोगों के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए हैं।

TRE-4 के मुद्दे पर बोला हमलाः TRE-4 के मुद्दे को लेकर भी तेजस्वी यादव ने सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस मामले में पहले भी सुझाव दिए गए थे, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। तेजस्वी ने यह भी कहा कि सरकार में बैठे लोग काम करने के बजाय केवल सत्ता बचाने में लगे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इन्हें बिहार से ज्यादा अपनी कुर्सी की चिंता है।

कहा- जनादेश कुछ और है, मुख्यमंत्री कोई और बन रहाः मुख्यमंत्री पद को लेकर उन्होंने कहा कि जनता का जनादेश कुछ और है, लेकिन मुख्यमंत्री कोई और बन रहा है, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं। साथ ही तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर दबाव होने का आरोप लगाते हुए कहा, कई मौकों पर उन्हें सार्वजनिक रूप से असहज स्थिति का सामना करना पड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि विधानसभा में जब नीतीश कुमार बोलते हैं, तो उनकी बात बीच में रोकी जाती है या सदन को स्थगित कर दिया जाता है, जो उनके साथ अपमानजनक व्यवहार को दर्शाता है।

तेजस्वी को मिली सैलरीः तेजस्वी यादव ने कहा था सैलरी नहीं मिली है, अब उसपर सरकार का जवाब आया है। सरकार के मुताबिक, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बकाया वेतन का भुगतान कर दिया गया है। 15 नवंबर 2025 से 2 दिसंबर 2025 तक का बकाया वेतन 18 मार्च 2026 को कोषागार में भेजा गया था और उसी दिन पास भी हो गया। इसके बाद दिसंबर 2025 से मार्च 2026 तक का वेतन 10 अप्रैल 2026 को कोषागार में जमा किया गया, जिसे आज ही सुबह 11:28 बजे मंजूरी मिल गई। तेजस्वी यादव का पुराना और हाल का वेतन अब पास हो चुका है।

पटना यूनिवर्सिटी में बवाल, छात्रों की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी के छात्र शुक्रवार को प्रदर्शन कर रहे। छात्र यूनिवर्सिटी के दरभंगा हाउस में जुटे हैं। कॉलेज के छात्र अनुराग कुमार और वर्तमान काउंसलर मोहम्मद एहसानुल्लाह को गिरफ्तार किया गया था। उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ छात्र जमकर हंगामा कर रहे। दरअसल, 30 मार्च को सीएम नीतीश कुमार की मौजूदगी में यूनिवर्सिटी कैंपस में बवाल हुआ था। उस दौरान दोनों डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, सम्राट चौधरी मौजूद थे।

छात्रों ने सम्राट चौधरी गो बैक, डीएम चोर है जैसे नारे लगाए थे। इस मामले में पुलिस ने छात्र संघ अध्यक्ष शांतनु शेखर समेत 6 छात्रों को नामजद आरोपी बनाया था। इनके अलावा 30 अज्ञात छात्रों के खिलाफ भी केस दर्ज किया था। वहीं, दो लोगों को अरेस्ट किया गया था। छात्रों में भारी आक्रोश है। वो

❐ **गृह मंत्री शर्म करो समेत कई नारे लगे, सीएम के सामने कैंपस में हुआ था हंगामा**

लगातार कह रहे, निर्दोष छात्रों को रिहा करो। लाठी गोली की सरकार नहीं चलेगी अबकी बार, बिहार सरकार होश में आओ, लोकतांत्रिक आवाजों को दबाना बंद करो, छात्रों पर मुकदमा वापस लो, गृह मंत्री शर्म करो जैसे नारे लगा रहे हैं। छात्रों का कहना है, पटना यूनिवर्सिटी के छात्रों पर पुलिसिया दमन नहीं सहेंगे के नारे लगाए जा रहे हैं।

बिहार विधानसभा, पटना सिविल कोर्ट को उड़ाने की धमकी

एजेंसी, पटना

पटना सिविल कोर्ट के साथ बिहार विधानसभा को भी एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वायड की टीम ने विधानसभा और कोर्ट परिसर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है। पीरबहोर थानेदार सज्जाद गद्दी ने बताया कि, 'मेल के जरिए कोर्ट को बम से उड़ने की धमकी मिली है। फिलहाल, परिसर में तलाश जारी है।' हालांकि, कोर्ट को बंद नहीं कराया गया है। अदालती कामकाज जारी है। इस दौरान सुरक्षाकर्मी कैंपस में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।' मेल में लिखा है- 'विधानसभा में 13RDX लगाए हैं। 2.15 बजे धमाकों के लिए तैयार रहो। विधायक और आम जनता को बाहर निकाल लो।' पटना सिविल कोर्ट को उड़ाने की धमकी

मिलने का सिलसिला खत्म नहीं हो रहा है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने एक आरोपी को अरेस्ट किया था। इसके बाद दावा किया जा रहा था कि अब इस तरीके की धमकी नहीं आएगी। बावजूद इसके पटना सिविल कोर्ट को एक बार फिर से बम से उड़ने की धमकी मिली है। इस बार धमकी मिलने पर वकीलों ने नाराजगी जाहिर की है। पटना सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे अधिवक्ता ऋषिकेश नारायण सिंह ने कहा कि, 'यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है। बार-बार धमकी आ रही है, लेकिन कार्रवाई नहीं हो पा रही है।

बुडको ने 3 पक्के घाट किए तैयार, छठ में श्रद्धालुओं को मिलेगी कई सुविधाएं

एजेंसी, पटना

पटना में घाटों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में तीन घाटों को तैयार कर लिया गया है। नमामि गंगे परियोजना के तहत अजीमाबाद अंचल में बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम (बुडको) ने घाट निर्माण का काम पूरा कर लिया है। बुडको द्वारा भद्र घाट, महावीर घाट और नौजर घाट को पक्का बनाकर आधुनिक सुविधाओं से लैस कर दिया गया है। ये तीनों घाट जल्द ही पटना नगर निगम को हैंडओवर कर दिए जाएंगे।

छठ महापर्व में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के कारण किया गया निर्माणः बुडको प्रबंध निदेशक अनिमेष कुमार पराशर ने कहा कि हर साल छठ महापर्व में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए तीन अतिरिक्त पक्के घाटों का निर्माण किया गया है। पहले ये घाट कच्चे थे, जिससे श्रद्धालुओं को

कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब बुडको ने इनका व्यापक विकास करते हुए पक्के घाटों का निर्माण किया है। सभी घाटों पर सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण के बैरिकेडिंग और उच्च क्षमता वाली प्रकाश व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं।

भद्र घाट पर विशाल प्रोमिनेड और आधुनिक सुविधाएंः मुख्य रूप से भद्र

❐ **चेंजिंग रूम, शौचालय और स्नानघर की व्यवस्था**

घाट पर 100 मीटर × 40 मीटर क्षेत्र में एक सुसज्जित पक्का घाट बनाया गया है। घाट का चौड़ीकरण कर 565 मीटर लंबा प्रोमिनेड बनाया गया है। वहीं, चेंजिंग रूम, शौचालय और स्नानघर की भी व्यवस्था की गयी है। पूरे क्षेत्र में हाई मास्ट लाइट लगाई गई है, जो उच्च क्षमता की प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा महावीर घाट और नौजर घाट पर अतिरिक्त पक्के घाट बनाए गए हैं। महावीर घाट पर 30 मीटर × 20 मीटर आकार के दो नए पक्के घाट बने हैं। वहीं, नौजर घाट पर 30 मीटर × 20 मीटर आकार के दो नए पक्के घाट बनाए गए हैं। इन घाटों पर लोगों की सुविधा के लिए पर्याप्त प्रकाश, बैरिकेडिंग और स्वच्छता की पूरी व्यवस्था की गई है।

संक्षिप्त समाचार

जनता के दरबार में जिला प्रशासनः 50 आवेदनों पर हुई सुनवाई

• भूमि विवाद, अतिक्रमण और राजस्व मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में गुरुवार को आयोजित "जनता के दरबार में जिला प्रशासन" कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न अंचलों से आए कुल 50 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर सुनवाई की गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार, निधि कुमारी तथा अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने आवेदनों की समीक्षा कर संबंधित पक्षों की बातें सुनीं। कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार ने कहा कि आज जो आवेदन प्राप्त हुए हैं, उन पर संबंधित पदाधिकारियों के स्तर से कार्रवाई कराते हुए समस्याओं का शीघ्र एवं विधिसम्मत समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद तथा राजस्व विभाग से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। इन मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ आवेदन अग्रसारित करने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। जिला प्रशासन ने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए यह कार्यक्रम लगातार प्रभावी मंच साबित हो रहा है, जहां लोगों को सीधे जिला स्तर के अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखने का अवसर मिलता है।

औचक निरीक्षण से स्कूल में हड़कंपः एसडीओ ने खुद ली क्लास, शिक्षकों को दी सख्त चेतावनी

• पढ़ाई की गुणवत्ता पर समझौता नहीं, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई; बिजली तार हटाने और चहारदीवारी निर्माण का निर्देश

बीएनएम @मोतिहारी/चिरैया। जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के निर्देश पर सरकारी विद्यालयों की व्यवस्था दुरुस्त करने के उद्देश्य से गुरुवार को सिकरहना (ढाका) के अनुमंडल पदाधिकारी विजय कुमार ने चिरैया प्रखंड स्थित उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय, परेवा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण की सूचना मिलते ही विद्यालय परिसर में हड़कंप मच गया और शिक्षकों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने शिक्षकों और छात्रों की उपस्थिति पंजी की बारीकी से जांच की। इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही शैक्षणिक सुविधाओं, संसाधनों और उनके उपयोग की स्थिति का भी जायजा लिया। सबसे दिलचस्प पल उस समय आया जब एसडीओ अचानक एक कक्षा में पहुंचे और छात्रों से पढ़ाई-लिखाई से जुड़े सवाल पूछने लगे। उन्होंने खुद क्लास लेकर बच्चों के शैक्षणिक स्तर का आकलन किया। अपने बीच एसडीओ को पाकर छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह और जिज्ञासा देखने को मिली। इसके बाद उन्होंने शिक्षकों से कक्षा संचालन, पढ़ाने के तरीके और बच्चों की प्रगति को लेकर सवाल-जवाब किया। एसडीओ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पढ़ाई की गुणवत्ता से किसी भी कीमत पर समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी शिक्षकों को समय पर नियमित कक्षाएं संचालित करने, बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने और उनकी प्रगति पर लगातार नजर रखने का सख्त निर्देश दिया। निरीक्षण के बाद प्रधानाध्यापक और शिक्षकों के साथ हुई बैठक में विद्यालय प्रबंधन से जुड़े कई अहम बिंदुओं पर चर्चा की गई। एसडीओ ने साफ चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आने पर संबंधित शिक्षकों और जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा के लिहाज से विद्यालय परिसर के पास से गुजर रहे बिजली के तार को तत्काल हटवाने का निर्देश दिया गया। साथ ही विद्यालय की भूमि की मापी कर जल्द से जल्द चहारदीवारी निर्माण कराने पर भी जोर दिया गया, ताकि बच्चों की सुरक्षा और विद्यालय की व्यवस्था दोनों बेहतर हो सके।

मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, दो गिरफ्तार

• आदापुर पुलिस व एसएसबी की संयुक्त छापेमारी में 1.5 किलोग्राम चरस बरामद, ट्रक जब्त

बीएनएम @मोतिहारी। जिले में मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत आदापुर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर आदापुर थाना पुलिस एवं एसएसबी की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से 1.500 किलोग्राम चरस जैसा मादक पदार्थ बरामद किया है। पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि एक ट्रक (संख्या BR06G-4962) पर सवार होकर दो व्यक्ति छौड़ादानों रोड से रक्सौल रोड की ओर मादक पदार्थ लेकर जा रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद वरीय अधिकारियों के निर्देश पर संयुक्त छापेमारी की गई, जिसमें दोनों आरोपियों को मौके से दबोच लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जितेंद्र कुमार यादव एवं अभिरंजन राय, दोनों निवासी कनूनिया कटगेनमा, थाना- आदापुर, जिला- पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 1.500 किलोग्राम चरस बरामद करने के साथ ही तस्करी में प्रयुक्त ट्रक को भी जब्त कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मादक पदार्थ की खेप कहां से लाई गई थी और इसकी आपूर्ति कहां की जानी थी। संयुक्त छापेमारी दल में आदापुर थानाध्यक्ष पप्पू कुमार पासवान, परि० पु०अ०नि० मुकेश कुमार, सिपाही हैग्मी शुक्ला, सूरज कुमार, सशस्त्र बल एवं एसएसबी के जवान शामिल रहे।

सिकरहना एसडीपीओ कानून के सिकंजे मे, न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप पर कोर्ट ने लिया संज्ञान

सागर सूरज

मोतिहारी। ढाका (सिकरहना) स्थित ए.सी.जे.एम. विवेक कुमार मिश्रा की अदालत ने एक महत्वपूर्ण मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए एसडीपीओ, सिकरहना उदय शंकर के आचरण पर गंभीर टिप्पणी की है।

एक मामले मे पारित आदेश में अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि संबंधित पुलिस पदाधिकारी द्वारा न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप और कानून के निर्धारित प्रावधानों की अवहेलना प्रथम दृष्टया सामने आयी है।

अदालत के आदेश के अनुसार, पचपकड़ी थाना कांड संख्या 153/2025 में एक आर्म्स लाइसेंस को जांच अधिकारी द्वारा जब्त कर जप्ती सूची बना दी गयी, जिससे वह न्यायिक अभिरक्षा में आ गया।

इसके बावजूद एसडीपीओ उदय शंकर द्वारा लिखित आदेश के माध्यम से जांच अधिकारी को बिना न्यायालय की अनुमति के उक्त लाइसेंस को रिलीज करने का निर्देश दिया गया। अदालत ने इसे न केवल अधिकारों का दुरुपयोग माना, बल्कि अधीनस्थ अधिकारियों पर अवैध दबाव बनाने का प्रयास भी बताया।

मामले में अदालत ने एसडीपीओ से स्पष्टीकरण भी मांगा था, लेकिन पर्याप्त अवसर दिए जाने के बावजूद कोई संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया।

इतना ही नहीं, 24 फरवरी 2026 को अदालत द्वारा एसडीपीओ सिकरहना और पुलिस अधीक्षक, मोतिहारी से विस्तृत रिपोर्ट भी तलब की गई थी, लेकिन अब तक कोई तथ्यात्मक रिपोर्ट अदालत को प्राप्त नहीं हुई है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि एसडीपीओ का यह आचरण न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक हस्तक्षेप और विधि द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के विपरीत है। प्रथम दृष्टया यह भी प्रतीत होता है कि उन्होंने एक लोक सेवक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए कानून के निर्देशों की जानबूझकर अवहेलना की, जिससे न्याय प्रशासन प्रभावित हुआ।

कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि उदय शंकर का यह कृत्य भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 199(b) एवं धारा 208 के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है।

पूर्व मे जुड़िसियल मजिस्ट्रेट विवेक कुमार उपाध्याय ने इस मामले मे स्वतः संज्ञान लिया था. समन के बाद भी एसडीपीओ कोर्ट मे उपस्थित नहीं हो सके थे.

संज्ञान की धाराओं के तहत लोक सेवक द्वारा जानबूझकर कानून की अवज्ञा करना और न्यायालय के आदेश की अनुपालना में अनुपस्थित रहना गंभीर अपराध माना जाता है। अधिकारी को जेल भी जाना पड़ सकता है.

साथ ही, सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों का हवाला देते हुए अदालत ने कहा कि यदि कोई लोक सेवक अपने अधिकारों का दुरुपयोग करता है और उसका कृत्य उसके आधिकारिक कर्तव्य से संबंधित नहीं है, तो उसे कानूनी संरक्षण प्राप्त नहीं होता।

इस पूरे मामले ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आगे इस मामले में क्या कानूनी कार्रवाई होती है और संबंधित अधिकारी पर क्या कदम उठाए जाते हैं।

शहर के प्रमुख स्थलों की विशेष साफ-सफाई हेतु सख्त निर्देश जारी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नगर निगम मोतिहारी द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। नगर आयुक्त आशीष कुमार ने नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी प्रमुख एवं ऐतिहासिक स्थलों की विशेष साफ-सफाई सुनिश्चित करने हेतु वार्ड जमादारों एवं सुपरवाइजरों को अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपते हुए स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। नगर आयुक्त ने कहा कि शहर की पहचान उसके सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता एवं सुव्यवस्था से होती है, अतः इन स्थलों की नियमित सफाई के साथ-साथ विशेष अभियान चलाकर साफ-सफाई को उच्च स्तर तक ले जाना आवश्यक है। इस क्रम में गांधी मैदान, गांधी संग्रहालय, नवयुवक पुस्तकालय, समाहरणालय, हवाई अड्डा परिसर, जॉर्ज ऑरवेल स्थल, रोइंग क्लब, महात्मा गांधी मीना बाजार चौक, छत्रपति शिवाजी आर्य समाज चौक, शौर्य स्तंभ, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर भवन, जननायक कर्पूरी ठाकुर जानपुल चौक, अंबेडकर टावर, सुभाष पार्क, झांसी की रानी चौक, डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्थल, महाराणा प्रताप स्टेशन चौक, सरदार वल्लभभाई पटेल चौक, लोकनायक जयप्रकाश नारायण चौक सहित अनेक महत्वपूर्ण स्थानों को चिन्हित किया गया है। निर्देशानुसार इन सभी स्थलों की साफ-सफाई के लिए तिथि एवं समय पूर्व निर्धारित किए गए हैं। सभी संबंधित कर्मियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि निर्धारित तिथि पर समयबद्ध तरीके से सफाई कार्य पूर्ण किया जाए तथा उसी दिन संध्या 5:00 बजे तक उसका प्रतिवेदन नगर निगम कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा किया जाए। इसके अतिरिक्त, नगर प्रबंधक को पूरे अभियान की सतत निगरानी करने तथा सभी वार्डों से प्राप्त प्रतिवेदनों का समेकन कर समय पर नगर आयुक्त कार्यालय को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित मोतिहारी के निर्माण हेतु यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

समाहरणालय में अनुमंडल स्तरीय आपूर्ति अनुश्रवण समिति की बैठक संपन्न

» महादलित टोले में विशेष अभियान चलाकर राशन कार्ड बनाने पर जोर, शादी-विवाह के लिए कमर्शियल गैस उपलब्ध कराने का निर्णय

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्ण भवन में गुरुवार को अनुमंडल स्तरीय आपूर्ति अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा ने की। बैठक में मोतिहारी विधायक प्रमोद कुमार, नगर निगम के उपमहापौर डॉ. लालबाबू प्रसाद गुप्ता, सुगौली विधायक के प्रतिनिधि, जिला परिषद सदस्य, आपूर्ति विभाग के पदाधिकारी तथा विभिन्न गैस एजेंसियों के संचालक उपस्थित रहे। बैठक में महादलित टोले एवं मलिन बस्तियों में अब तक छूटे हुए लोगों का राशन कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि पात्र लाभुकों को योजनाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाए। सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि शादी-विवाह के लिए कमर्शियल गैस उपलब्ध कराने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है। इसके लिए संबंधित आवेदक को शादी कार्ड की प्रति के साथ आवेदन देना होगा, जिसके आधार पर नियमानुसार गैस उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक में अनुमंडल क्षेत्र में गैस की उपलब्धता एवं सुचारु वितरण पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने संतोष व्यक्त किया। इस दौरान घरेलू एवं कमर्शियल गैस की उपलब्धता तथा नियमानुकूल वितरण सुनिश्चित करने के लिए गैस एजेंसी संचालकों को आवश्यक निर्देश दिए गए। राशन कार्ड से संबंधित समीक्षा में बताया गया कि सदर अनुमंडल क्षेत्र में आधार सीडिंग 99.45 प्रतिशत पूरी हो चुकी है, जबकि ई-केवाईसी की प्रक्रिया जारी है और इसका प्रतिशत 78.15 प्रतिशत है। साथ ही अपात्र राशन कार्डों को निरस्त करने की प्रक्रिया भी जारी है। इसके लिए संबंधित लाभुकों को नोटिस जारी किया गया है। बैठक के अंत में आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने पर जोर देते हुए धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यवाही समाप्त की गई।

खड़गे पर विवादित बयान के खिलाफ कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन, हेमंत बिस्वा शर्मा का पुतला दहन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला मुख्यालय स्थित गांधी चौक पर शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी के बैनर तले एक जोरदार विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रो. अखिलेश दयाल ने की। यह विरोध प्रदर्शन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर आयोजित किया गया, जिसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ दिए गए कथित अभद्र एवं आपत्तिजनक बयान को लेकर असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा के खिलाफ तीव्र आक्रोश व्यक्त किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए हेमंत बिस्वा शर्मा का पुतला दहन किया और उनके बयान की कड़ी निंदा की। वहीं जिलाध्यक्ष प्रो. अखिलेश दयाल ने अपने संबोधन में कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे देश के सबसे बड़े दलित चेहरे हैं और उनके खिलाफ इस प्रकार का जातिसूचक एवं अपमानजनक बयान न केवल उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाता है, बल्कि देश के दलित समाज का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि यह भाजपा नेताओं की संकीर्ण एवं घृणित मानसिकता को उजागर करता है। कहा कि असम में भाजपा सरकार की विदाई तय है। मुख्यमंत्री की हड़बड़ाहट, छटपटाहट और बौखलाहट इस बात का स्पष्ट संकेत है कि जनता अब परिवर्तन चाहती है और आने वाले समय में कांग्रेस की सरकार बनेगी। इस विरोध कार्यक्रम में युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष बिट्टू यादव, वरिष्ठ कांग्रेसी मुनमुन जयसवाल, मुमताज अहमद, संजीव सिंह उर्फ टुन्नी सिंह, चुमन जयसवाल, अखिलेश्वर मिश्रा, गुंजन मिश्रा, राहुल शर्मा, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव प्रीतम अग्रवाल, दिलनवाज राशिद, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आशीष कुमार, विजय यादव, आदापुर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता, मोमताज कादरी, रक्सौल कांग्रेस उपाध्यक्ष ईश्वरचंद्र प्रसाद, अनिल कुमार यादव, सुगौली युवा कांग्रेस अध्यक्ष असहाबुल होदा उर्फ छोटू, सद्दाम खान, ई. आमीर, अमन कुमार, महम्द सैफ, जगत पासवान, मयंक कुमार, हिमांशु कुमार, म. एकराम, म. मोजाहिर हुसैन, रंजन साह, महम्द हैयूल, म. चांद, झुन्नू सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ई-रिक्शा में रखी 15 लीटर देसी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

» हरसिद्धि ब्लॉक के पास पुलिस की कार्रवाई, पकड़ा गया आरोपी सोनबरसा का निवासी

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि

मोतिहारी/हरसिद्धि। हरसिद्धि पुलिस ने शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए ई-रिक्शा में रखी 15 लीटर देसी शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, हरसिद्धि ब्लॉक के समीप वाहन जांच के दौरान एक ई-रिक्शा की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन में रखी 15 लीटर देसी शराब बरामद हुई। इसके बाद मौके से शराब कारोबारी राजू सहनी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सोनबरसा निवासी राजू सहनी के रूप में हुई है। पुलिस ने ई-रिक्शा को भी जब्त कर लिया है। बताया जाता है कि थाना अध्यक्ष सुनील कुमार पकड़े गए कारोबारी से पूछताछ कर रहे हैं और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि शराब की खेप कहां से लाई गई थी और इसकी आपूर्ति कहां की जानी थी। हरसिद्धि पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के आधार पर इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है।

बाराचकिया में बंद चीनी मिल के पुनरुद्धार व नई मिल स्थापना की दिशा में बड़ी पहल, जिला प्रशासन ने दिया पूर्ण सहयोग का आश्वासन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला के बाराचकिया क्षेत्र में बंद पड़ी चीनी मिल के पुनरुद्धार एवं नई चीनी मिल की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इसी क्रम में शुक्रवार को एन.एफ.सी.एस.एफ, नई दिल्ली की टीम द्वारा प्रस्तावित चीनी मिल के लिए एरिया स्टडी के तहत क्षेत्र का विस्तृत भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान टीम ने पुरानी चकिया चीनी मिल परिसर का निरीक्षण किया तथा नई मिल के लिए प्रस्तावित भूमि का भी दौरा कर उसकी उपयुक्तता का आकलन किया। इस दौरान आसपास के किसानों से संवाद स्थापित कर गन्ना उत्पादन, आपूर्ति व्यवस्था एवं क्षेत्रीय संभावनाओं की जानकारी प्राप्त की गई। टीम ने कृषि विभाग, माइनर इरिगेशन, लघु सिंचाई, जल निस्सरण एवं केनाल डिवीजन के अधिकारियों से आवश्यक आंकड़े और तकनीकी सूचनाएं भी एकत्रित कीं।इस अवसर पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने आश्वस्त किया कि बाराचकिया क्षेत्र में चीनी मिल स्थापना के लिए जिला प्रशासन हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि भूमि सत्यापन, विभागीय समन्वय, आवश्यक अनुमोदन एवं दस्तावेजी प्रक्रियाएं प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण की जाएंगी। भ्रमण के उपरांत एन.एफ.सी.एस.एफ की टीम ने जिला प्रशासन को प्रारंभिक फीडबैक देते हुए क्षेत्र में चीनी मिल स्थापना की संभावनाओं को सकारात्मक बताया और आगे की प्रक्रिया हेतु सुझाव भी साझा किए। जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने कहा कि चीनी मिल की स्थापना से क्षेत्र के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। जिला प्रशासन इस परियोजना को सफल बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

"सशक्त महिला : विकसित भारत" विषय पर संगोष्ठी संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिषद् द्वारा "सशक्त महिला : विकसित भारत" विषय पर आयोजित विचार संगोष्ठी आचार्य बृहस्पति सभागार में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने स्वागत भाषण में कहा कि यह संगोष्ठी महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक चेतना को सुदृढ़ करने का प्रभावी मंच है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण आज राष्ट्र के समग्र विकास का केंद्रीय आधार बन चुका है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि "सशक्त महिला ही विकसित राष्ट्र की आधारशिला है।" उन्होंने नीति-निर्माण में महिलाओं की समान भागीदारी पर बल देते हुए "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" को एक महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्य अतिथि प्रो. सुषमा यादव (पूर्व कुलपति, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय) ने महिला सशक्तिकरण के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा ही महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। विशिष्ट वक्ता प्रो. मधु सिंह ने ग्रामीण एवं वंचित वर्ग की महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं प्रो. सपना सुगंधा ने आर्थिक आत्मनिर्भरता, उद्यमिता एवं नेतृत्व क्षमता को महिला सशक्तिकरण का आधार बताया। संगोष्ठी में महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सुदृढ़ता एवं सामाजिक न्याय जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि "विकसित भारत" का लक्ष्य तभी संभव है, जब महिलाओं को समान अवसर एवं निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी मिले। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही। संचालन डॉ. मुस्कान भारती एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनुपम कुमार वर्मा द्वारा किया गया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संक्षिप्त समाचार

सिरिसिया सरेह में सिर कटा शव मिलने से सनसनी, पहचान के बाद पुलिस जांच तेज

एफएसएल टीम ने जुटाए वैज्ञानिक साक्ष्य

बीएनएम @ बगहा। पश्चिम चम्पारण के नौरंगिया थाना क्षेत्र अंतर्गत सिरिसिया सरेह में गुरुवार को एक व्यक्ति का सिर कटा शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही नौरंगिया थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की जांच तेज कर दी है। पुलिस के अनुसार, 09 अप्रैल 2026 को थानाध्यक्ष नौरंगिया को सूचना मिली कि सिरिसिया सरेह में एक व्यक्ति का कटा हुआ सिर देखा गया है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष ने वरीय अधिकारियों और एफएसएल टीम को अवगत कराते हुए पुलिस बल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की। जांच के दौरान SSB 65वीं वाहिनी के ट्रैकर डॉग "INGO" की मदद ली गई। डॉग स्क्वॉड की सहायता से पुलिस मृतक के धड़ तक पहुंचने में सफल रही, जिसे जमीन में दबाया गया था। दंडाधिकारी की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कर शव के धड़ को बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान मुरारी यादव (48), पिता स्व. छेदी यादव, निवासी सिरिसिया वार्ड संख्या-06, थाना नौरंगिया, जिला पश्चिम चम्पारण के रूप में उनके परिजनों ने कपड़ों के आधार पर की। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बगहा भी एफएसएल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। एफएसएल विशेषज्ञों ने घटनास्थल से वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की प्रक्रिया पूरी की गई और पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल, बगहा भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक बगहा ने बताया कि मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है। दोषियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बगहा एवं थानाध्यक्ष नौरंगिया को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इस जघन्य वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस जल्द खुलासे का दावा कर रही है।

बिजधरी में शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाईः व्हिस्की व देसी चुलाई के साथ चार गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले के बिजधरी थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान अंग्रेजी शराब और देसी चुलाई शराब बरामद की गई। सभी आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, लाला छपरा वार्ड नंबर-4 निवासी पप्पू शाह (40), पिता सीताराम शाह, को 10 पीस ऑफिसर चॉइस व्हिस्की के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं बथना बिंद टोली निवासी बिंदु देवी (25), पति शांतिपुर मुखिया, के पास से 15 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की गई। इसके अलावा सुंदरपुर निवासी चंद्रिका राय (55), पिता स्व. हनुमान राय, तथा मनोहर छपरा निवासी लालबाबू राय (55), पिता स्व. रामेश्वर राय, दोनों को 2-2 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा, "शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू कराने के लिए थाना क्षेत्र में लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। किसी भी कीमत पर अवैध शराब कारोबारियों को बख्शा नहीं जाएगा। आगे भी यह अभियान और तेज किया जाएगा।" पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपितों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। थाना पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

एलपीजी को लेकर अफवाहों पर ध्यान न दें, आपूर्ति सामान्यः डीएम

बीएनएम @ किशनगंजः जिले में एलपीजी गैस की आपूर्ति को लेकर व्याप्त संशय के बीच जिला प्रशासन ने स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट और सामान्य बताया है। जिलाधिकारी विशाल राज ने शुक्रवार को जानकारी दी कि वर्तमान में जिले में 8692 से अधिक गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, जिससे वितरण व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो रही है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए होम डिलीवरी सेवा को पुनः सक्रिय कर दिया गया है, जिसके तहत बुकिंग के दो से तीन दिनों के भीतर सिलेंडर घर तक पहुँचाया जाएगा। प्रशासन ने शहरी क्षेत्रों के लिए 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 45 दिनों की अंतराल सीमा के साथ पुनः बुकिंग की व्यवस्था निर्धारित की है।कालाबाजारी और जमाखोरी जैसी अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। जिलाधिकारी ने बताया कि धावा दल द्वारा नियमित छापेमारी की जा रही है और किसी भी गड़बड़ी पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, जनसमस्याओं के समाधान हेतु जिला स्तर पर एक विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जो प्रतिदिन सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक कार्य करेगा। उपभोक्ता किसी भी शिकायत या सहायता के लिए दूरभाष संख्या 06456-225152 पर संपर्क कर सकते हैं। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे एलपीजी की उपलब्धता को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रामक अफवाहों पर ध्यान न दें और धैर्य बनाए रखें।

यूजीसी कानून के विरोध में गायघाट में गरजे सामाजिक कार्यकर्ता

» विशाल धरना-प्रदर्शन कर केंद्र सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल, बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर/गायघाट

मुजफ्फरपुर/गायघाट। प्रखंड कार्यालय परिसर, गायघाट में गायघाट सामाजिक मंच (रजि.) के तत्वावधान में एक दिवसीय विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान मंच से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए यूजीसी के नए नियमों का विरोध करते हुए जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने इसे 'काला कानून' बताते हुए कहा कि यह शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक एकजुटता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने केंद्र सरकार की विभिन्न नीतियों पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि 'एक देश, एक कानून' और 'सबका साथ, सबका विकास' जैसे नारों को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने की आवश्यकता है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि कुछ नीतियों से समाज में विभाजन की स्थिति पैदा होने की आशंका है, जिसे समय रहते दूर किया जाना चाहिए। मंच के पदाधिकारियों ने यूजीसी के नए नियमों में तत्काल संशोधन की मांग करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था से जुड़े किसी भी बड़े निर्णय से पहले व्यापक संवाद और सभी पक्षों से राय लेना जरूरी है। उनका कहना था कि यदि शीघ्र सुधार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरना समाप्ति के बाद मंच के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) से मुलाकात कर उन्हें मांगपत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने आग्रह किया कि उनकी मांगों को राज्य और केंद्र सरकार तक पहुंचाया जाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह ने की। प्रदेश प्रवक्ता रंजन कुमार ने यूजीसी नियमों के तकनीकी पहलुओं और समाज पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को विस्तार से रखा। मौके पर मणि भूषण सिंह, मनोज सिंह, जनक किशोर झा, समीर कुमार झा, व्यास मुकेश सिंह, अरुण कुमार सिंह, राममूर्ति ठाकुर, जयदेव प्रसाद सिंह, मुकेश महतो, विजय कुमार सिंह, आलोक कुमार पाठक, कुंदन कुमार, जय प्रकाश कुंवर, प्रमोद पासवान, मुकुंद नंदन कुंवर, शशि रंजन कुमार और घनश्याम सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नवविवाहिता की मौत पर गहराया रहस्य, फॉरेंसिक जांच में जुटी पुलिस

बीएनएम @ हरसिद्धि

» दहेज में बुलेट और नगद की मांग का आरोप, हत्या की आशंका से हर पहलू खंगाल रही टीम

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के घिवाढार पंचायत, वार्ड संख्या-1 में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत का मामला अब और पेचीदा होता जा रहा है। प्रारंभिक तौर पर आत्महत्या मानी जा रही इस घटना में अब हत्या की आशंका भी गहराने लगी है। पुलिस ने मामले की तह तक पहुंचने के लिए जांच तेज कर दी है और मुजफ्फरपुर से पहुंची फॉरेंसिक टीम वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाने में लगी है। मृतका का शव कमरे की छत से लटका मिला था, लेकिन घटनास्थल की स्थिति ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इसी वजह से पुलिस अब इसे केवल आत्महत्या मानने के बजाय हर एंगल से गहराई से पड़ताल कर रही है। फॉरेंसिक टीम, जिसका नेतृत्व दरोगा प्रीतम कुमार कर रहे हैं, यह जांच कर रही है कि शव किस स्थिति में मिला, फंदे की ऊंचाई क्या थी, कमरे की बनावट कैसी है और कहीं संघर्ष के निशान तो मौजूद नहीं हैं। विशेषज्ञ कमरे में मौजूद अन्य भौतिक साक्ष्यों—फंदा, फर्श, दीवार, बिस्तर और आसपास की वस्तुओं—की भी बारीकी से जांच कर रहे हैं। इन सभी बिंदुओं के आधार पर यह स्पष्ट करने की कोशिश की जा रही है कि मामला आत्महत्या का है या इसके पीछे कोई साजिश रची गई है। मामले ने उस समय और गंभीर रूप ले लिया जब मृतका के पिता बटखरी सिंह ने थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया कि उनकी बेटी को बुलेट मोटरसाइकिल और नगद रुपये की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। परिजनों ने इसे दहेज हत्या का मामला बताते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो चुका है और पुलिस हर पहलू पर गंभीरता से जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उप निदेशक भीम शर्मा ने किया फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण

» रूलही पंचायत में गेहूं की उत्पादकता आंकलन के लिए हुआ प्रयोग, 50 वर्गमीटर में 14.210 किलोग्राम उपज दर्ज

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बिहार राज्य फसल सहायता योजना तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लिए विभिन्न फसलों की उत्पादकता निर्धारण को लेकर जिले में फसल कटनी प्रयोग कराया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्वी चंपारण जिले के रबी मौसम की गेहूं फसल की उत्पादकता के आकलन हेतु मोतिहारी सदर प्रखंड की रूलही पंचायत स्थित रूलही राजस्व ग्राम में किसान सुधीर कुमार के खेत में फसल कटनी प्रयोग संपन्न कराया गया। संबंधित खेत का खेसरा संख्या 293 बताया गया है। इस प्रयोग का संचालन प्रखंड कृषि पदाधिकारी रमण कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। सही एवं सटीक उत्पादकता आकलन सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के प्रयोगों का निरीक्षण प्रखंड स्तर से लेकर निदेशालय स्तर के पदाधिकारियों द्वारा किया जाता है। इसी कड़ी में अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, बिहार पटना के उप निदेशक भीम शर्मा ने मौके पर पहुंचकर फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण किया। प्रयोग के दौरान 10 मीटर लंबा एवं 5 मीटर चौड़ा (कुल 50 वर्गमीटर) रकबा निर्धारित किया गया, जिसमें 14.210 किलोग्राम गेहूं की उपज प्राप्त हुई। निरीक्षण के दौरान जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अवधेश कुमार श्रीवास्तव, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी कृष्ण कुमार मांझी, आशुतोष कुमार मिश्रा, आलोक कुमार सिंह, किसान सलाहकार अनामिका देवकुलियार तथा अफसारूल हक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कृषि विभाग के अनुसार, इस तरह के फसल कटनी प्रयोगों से प्राप्त आंकड़े राज्य सरकार की फसल सहायता, मुआवजा निर्धारण एवं अन्य कृषि कल्याणकारी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार बनते हैं।

मथुरापुर में आगलगी से दो घर जलकर राख, चार लाख की संपत्ति स्वाहा

» एक बाइक भी जली, आग बुझाने में वृद्ध का हाथ झुलसा

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। थाना क्षेत्र की मथुरापुर पंचायत के वार्ड संख्या-11 में शुक्रवार को भीषण आग लगने से दो लोगों के घर जलकर राख हो गए। इस हादसे में करीब चार लाख रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान है। पीड़ितों की पहचान गणेश राम और रामायण राम के रूप में हुई है। आगलगी में एक बाइक भी जलकर नष्ट हो गई। बताया जाता है कि शुक्रवार को अचानक गणेश राम के घर में आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते बगल में स्थित रामायण राम का घर भी इसकी चपेट में आ गया। कुछ ही देर में दोनों घर धू-धू कर जलने लगे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर दमकल की दो गाड़ियां पहुंचीं। फायर ब्रिगेड की टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक दोनों घर पूरी तरह जलकर खाक हो चुके थे। आग में घर में रखे कपड़े, बर्तन, अनाज, चौकी, पलंग समेत सभी घरेलू सामान जलकर राख हो गए। आग बुझाने के दौरान रामायण राम के पिता मूरत राम का हाथ झुलस गया, जिन्हें इलाज के लिए भेजा गया है। उनकी बाइक भी आग की चपेट में आकर जल गई। बीडीओ संतोष राज ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली गई। वहीं आरओ सह सीओ विन्देश्वरी प्रसाद ने कहा कि राजस्व कर्मचारी को घटनास्थल पर भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही पीड़ित परिवारों को सरकारी सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। घटना के बाद पीड़ित परिवारों के सामने रहने और खाने-पीने का संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र सहायता की मांग की है।

सीता कुंड धाम का बदलेगा स्वरूप, पुनर्विकास कार्य तेज

» 13.10 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा आधुनिक धार्मिक-पर्यटन केंद्र, दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के ऐतिहासिक एवं पौराणिक तीर्थ स्थल सीता कुंड धाम का स्वरूप अब पूरी तरह बदलने जा रहा है। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम की ओर से करीब 13.10 करोड़ की लागत से इस स्थल के पुनर्विकास का कार्य तेज गति से कराया जा रहा है। प्रशासन ने इसे 08 दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। परियोजना के तहत सीता कुंड तालाब को 37 मीटर के गोलाकार स्वरूप में पुनर्निर्मित किया जा रहा है। तालाब के चारों ओर बलुआ पत्थर की सीढ़ियां, सुरक्षा रेलिंग और आकर्षक जालीदार परिसर दीवार बनाई जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम दर्शन व्यवस्था मिल सके। मुख्य प्रवेश द्वार से तालाब तक दो लेन की चौड़ी सड़क, आकर्षक ईंट कलाकारी, श्रद्धालुओं के लिए छायादार शेड एवं बैठने की समुचित व्यवस्था भी विकसित की जा रही है। इसके साथ ही परिसर में 2700 वर्गफीट का कैफेटेरिया, दो कॉटेज, दो शौचालय परिसर तथा 12 दुकानें निर्माणाधीन हैं, ताकि पर्यटकों और श्रद्धालुओं को सभी आधुनिक सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल सकें। गुरुवार को जिलाधिकारी, पूर्वी चंपारण ने अनुमंडल पदाधिकारी, चकिया के साथ सीता कुंड धाम पहुंचकर निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया और प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, मोतिहारी को एसडीओ चकिया एवं पर्यटन प्रभाग की प्रभारी अधिकारी के साथ संयुक्त रूप से विस्तृत गुणवत्ता प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। यह परियोजना केवल एक तीर्थ स्थल का सौंदर्यीकरण नहीं, बल्कि पूर्वी चंपारण की सांस्कृतिक पहचान को नई मजबूती देने की पहल मानी जा रही है। इसके पूरा होने से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आसपास के गांवों की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी।

प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण व डिजिटलीकरण के लिए राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण अभियान शुरू

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा "ज्ञान भारतम् मिशन" के अंतर्गत देशभर में प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटलीकरण के लिए राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में घोषित एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य भारत की अमूल्य ज्ञान परंपरा को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है। इसी क्रम में जिला प्रशासन, पूर्वी चम्पारण ने समस्त ग्रामवासियों, विद्वानों, मठ-मंदिरों के प्रतिनिधियों, शैक्षणिक संस्थानों तथा आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके पास या उनके परिवार, मंदिर, पुस्तकालय अथवा संस्था में कागज, भोजपत्र, ताड़पत्र, कपड़े या धातु पर लिखी कोई प्राचीन पांडुलिपि अथवा ऐतिहासिक दस्तावेज उपलब्ध हो, तो वे इस राष्ट्रीय अभियान में सहयोग के लिए आगे आएं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस मिशन का उद्देश्य केवल सर्वेक्षण, कैटलॉगिंग और डिजिटलीकरण है। संबंधित पांडुलिपियां या दस्तावेज उसी व्यक्ति अथवा संस्था के संरक्षण में सुरक्षित रहेंगे, उन्हें किसी भी प्रकार से स्थानांतरित या अधिग्रहीत नहीं किया जाएगा। सर्वेक्षण दल संबंधित स्थल पर पहुंचकर, स्वामी की अनुमति से, पूर्ण सम्मान और सावधानी के साथ कार्य करेगा। जिला प्रशासन ने इसे राष्ट्रीय पुनर्जागरण और सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण का महत्वपूर्ण अभियान बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से इसमें भागीदारी की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि यह मिशन भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के सेहत केंद्र द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता जंतु विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित रंजन ने स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से स्वस्थ रहना ही पूर्ण स्वास्थ्य का प्रतीक है। उन्होंने स्वास्थ्य को चार दृष्टियों बौद्धिक, मानसिक, आध्यात्मिक एवं भौतिक के रूप में समझाते हुए मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विशेष बल दिया। डॉ. रंजन ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ है विचारों, भावनाओं और व्यवहार में संतुलन बनाए रखना, जो जीवन की गुणवत्ता को सीधे प्रभावित करता है। उन्होंने तनाव से मुक्ति के लिए ध्यान (मेडिटेशन), नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और पर्याप्त नींद को आवश्यक बताया। साथ ही, आध्यात्मिक स्वास्थ्य को आत्मिक शांति से जोड़ते हुए इसे भी जीवन का महत्वपूर्ण पक्ष बताया। उन्होंने सेहत केंद्रों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि ये केंद्र न केवल उपचार प्रदान करते हैं, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता, जांच (स्क्रीनिंग) सेवाओं एवं सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही। सेहत केंद्र के समन्वयक डॉ. बबलू पाल एवं सह-समन्वयक डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा कार्यक्रम के संचालन एवं आयोजन में प्रमुख रूप से सक्रिय रहे।

तुरकौलिया में जहरीली स्प्रिट के साथ लवकुश यादव गिरफ्तार, एसआईटी के खुलासे से मचा हड़कंप

» 50 लीटर जहरीली स्प्रिट बरामद, गाजियाबाद से मंगाने और कन्हैया यादव तक सप्लाई का आरोप

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में जहरीली स्प्रिट शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत तुरकौलिया थाना पुलिस और एसआईटी को बड़ी सफलता मिली है। तुरकौलिया थाना कांड संख्या-187/26 (जहरीली स्प्रिट कांड) में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कोटवा थाना क्षेत्र के सुबैया निवासी लवकुश यादव को 50 लीटर जहरीली स्प्रिट के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त लवकुश यादव, पिता रामस्वार्थ प्रसाद यादव, लंबे समय से जहरीली स्प्रिट की सप्लाई चेन में सक्रिय था। पूछताछ और एसआईटी जांच में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि उसने यह स्प्रिट गाजियाबाद की एक कंपनी से मंगाई थी, जो गोरखपुर के रास्ते मोतिहारी पहुंची। जांच एजेंसियों का दावा है कि लवकुश ने ही इस जहरीली स्प्रिट को कांड के मास्टरमाइंड कन्हैया यादव तक पहुंचाया था। इसी जहरीली स्प्रिट से जिले में बड़े पैमाने पर तबाही की साजिश रची गई थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इसी जहरीली शराब कांड में 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोगों की आंखों की रोशनी चली गई। एसआईटी को कन्हैया यादव से मिले इनपुट के आधार पर लवकुश यादव की गिरफ्तारी संभव हो सकी। पुलिस अब इस नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने के लिए उत्तर प्रदेश और दिल्ली में लगातार छापेमारी कर रही है। तुरकौलिया थाना पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर विधिसम्मत अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जहरीली शराब कांड से जुड़े हर आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

युद्ध के संबंध में तमाम वर्जनाएं टूट रही

जैसे आज राष्ट्रीय संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों को मजबूत देशों ने ताक पर रख दिया है, वैसे ही युद्ध संबंधी तमाम वर्जनाएं टूट रही हैं। यह सभ्यता की ओर मानव समाज की आगे बढ़ी यात्रा की दिशा का पलट जाना है। अमेरिका और इजराइल ने बिना विकिरण जैसे परिणामों की चिंता किए ईरान के परमाणु ठिकाने नांतेज पर बमबारी की। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल के परमाणु स्थल डिमोना पर मिसाइलें दागीं। दोनों हमलों में काफी नुकसान होने की खबरें हैं। इसके बाद डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के बिजली ग्रिड को तबाह करने की धमकी दी, तो जवाब में ईरान ने कहा कि ऐसा होने पर वह इजराइल और खाड़ी देशों में ना सिर्फ बिजली, बल्कि जल स्वच्छ करने के संयंत्रों पर भी निशाना साधेगा। इससे भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति सांकेतिक भाषा में जो कहा, उसका यही अर्थ समझा गया है कि उन्होंने ईरान पर परमाणु बम गिराने की धमकी दी है। दूसरे विश्व युद्ध में जापान के हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बम से हुई तबाही देखने के बाद दुनिया में धारणा बनी थी कि मानव विवेक आगे कभी ऐसा नहीं होने देगा। वैसे, उस महायुद्ध के बाद दुनिया में युद्ध संबंधी नियम- कायदे भी बने। उनके मुताबिक नागरिक स्थलों, बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं, स्कूल-अस्पताल आदि जैसी जगहों को सैन्य हमलों से दूर रखने पर सहमति बनी। मगर, आज ये सारी बातें जमींदोज हो गई लगती हैं। ईरान पर हमलों की शुरुआत होते ही अमेरिका- इजराइल ने मिनाब में छोटी बच्चियों के स्कूल पर हमला किया। उसके बाद से नागरिक स्थलों, अस्पतालों, ऊर्जा स्थलों एवं जल स्वच्छता केंद्रों पर निशाने साधे गए हैं। ईरान ने भी उनका जवाब उसी अंदाज में दिया है। और ये सिलसिला बढ़ते- बढ़ते अब परमाणु हमले की चर्चा तक पहुंच गया है। इस क्रम में ये कयास भी लगाए गए हैं कि ईरान ने खुद अपनी तैयारी से या किसी अन्य स्रोत से व्यापक विनाश के अस्त्र जुटाए हुए हैं, जिनका इस्तेमाल वह आगे चल कर सकता है। ये बातें यही बताती हैं कि जैसे आज राष्ट्रीय संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों को मजबूत देशों ने ताक पर रख दिया है, वैसे ही युद्ध के संबंध में तमाम वर्जनाएं टूट रही हैं। यह सभ्यता की ओर मानव समाज की आगे बढ़ी यात्रा की दिशा का पलट जाना है। आधुनिक युग में ऐसा होगा, पहले ये सोचना असंभव था।

राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के विधानसभा चुनाव 2026

विनोद कुमार सिंह

- प्रथम चरण का मतदान मेंजनमत की गूंज,लोकतंत्र का आत्मविश्वास और बदलते राजनीतिक संकेत

हमारा लोकतंत्र केवल एक संवैधानिक व्यवस्था नहीं,बल्कि जनचेतना की वह जीवंत धारा है , जो समय-समय पर अपने स्वरूप, अपने तेवर और अपनी दिशा को स्वयं निर्धारित करती है।वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों का प्रथम चरण - असम,केरल और केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में सम्पन्न मतदान - इसी लोकतांत्रिक चेतना का प्रखर और व्यापक प्रतिबिंब बनकर सामने आया है।यह चरण केवल मतपेटियों तक सीमित एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि जनमत की वह गूंज है जिसमें सामाजिक परिवर्तन की आहट, राजनीतिक पुनर्संतुलन की छाया और भविष्य की राजनीति की स्पष्ट रूपरेखा सुनाई देती है।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने इस लोकतांत्रिक उत्सव को और अधिक अर्थपूर्ण बना दिया है। असम में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान, केरल में लगभग 78 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास रिकॉर्ड मतदान यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय और निर्णायक भागीदार बन चुका है। यह आंकड़े केवल प्रतिशत नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास,उसकी प्रतिबद्धता और उसकी आकांक्षाओं का जीवंत प्रमाण हैं।

असम में उच्च मतदान यह संकेत देता है कि वहां चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनसरोकारों की अभिव्यक्ति का मंच बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक जिस प्रकार मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, वह इस बात का द्योतक है कि मतदाता अब अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और सचेत है।यह उत्साह जहां एक ओर सत्तारूढ़ दल के लिए चुनौती का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर यह भी दर्शाता है कि यदि सरकार ने अपने कार्यों से जनविश्वास अर्जित किया है,तो उसे पुनः अवसर भी मिल सकता है।

केरल का मतदान प्रतिशत अपनी प्रकृति में भले ही संतुलित प्रतीत होता हो, लेकिन उसकी गहराई में एक परिपक्व लोकतांत्रिक चेतना का प्रवाह दिखाई देता है।यहाँ का मतदाता परंपरागत रूप से विचारधारा आधारित मतदान करता है और यही कारण है कि मतदान का प्रतिशत स्थिर रहते हुए भी अत्यंत महत्वपूर्ण संकेत देता है। लगभग 78 प्रतिशत मतदान यह बताता है कि केरल में लोकतंत्र केवल एक प्रक्रिया नहीं,बल्कि एक वैचारिक अभ्यास है,जिसमें हर मतदाता अपने निर्णय को एक जिम्मेदारी के रूप में देखता है।

पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास मतदान ने यह सिद्ध कर दिया है कि लोकतंत्र का उत्साह क्षेत्रफल या जनसंख्या पर निर्भर नहीं करता,बल्कि जनभागीदारी की भावना पर आधारित होता है। छोटे से केन्द्र शासित प्रदेश में इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का मतदान करना यह दर्शाता है कि लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी और मजबूत हैं। यह मतदान न केवल राजनीतिक दलों के लिए संदेश है, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा भी है कि लोकतंत्र की असली शक्ति जनता की सक्रिय भागीदारी में निहित है।

इस प्रथम चरण का एक और महत्वपूर्ण पक्ष मतदाता संरचना में हो रहा परिवर्तन है।लगभग 5.3 करोड़ से अधिक मतदाताओं की भागीदारी यह दर्शाती है कि लोकतंत्र अब केवल संख्याओं का खेल नहीं, वरन विविधता और समावेश का उत्सव बन चुका है। महिला मतदाताओं की बढ़ती संख्या और उनकी सक्रिय भागीदारी इस परिवर्तन का सबसे सशक्त संकेत है।केरल और पुडुचेरी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की संख्या पुरुषों के बराबर या उससे अधिक होना केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं,बल्कि एक सामाजिक क्रांति का संकेत है।

महिलाएं अब केवल मतदान करने वाली इकाई नहीं,बल्कि नीति निर्धारण को प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुकी हैं।उनके मुद्दे अब चुनावी विमर्श के केंद्र में हैं - चाहे वह महंगाई हो, स्वास्थ्य सेवाएं हों, शिक्षा हो या सुरक्षा।राजनीतिक दलों ने भी इस परिवर्तन को स्वीकार करते हुए अपनी रणनीतियों में बदलाव किया है और महिला मतदाताओं को ध्यान में रखकर योजनाएं और घोषणाएं प्रस्तुत की हैं।यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में महिला मतदाता भारतीय राजनीति की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगी।

युवा मतदाताओं की भागीदारी इस चुनाव की आत्मा है।लाखों नए मतदाताओं का पहली बार मतदान करना यह दर्शाता है कि भारत का भविष्य अब मतदान केंद्रों तक पहुंच चुका है। यह युवा वर्ग पारंपरिक राजनीति से अलग सोच रखता है।उसके लिए जातीय या धार्मिक समीकरणों की अपेक्षा रोजगार, शिक्षा, डिजिटल अवसर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा अधिक महत्वपूर्ण हैं।वह केवल वादों से प्रभावित नहीं होता,बल्कि परिणाम चाहता है,पारदर्शिता चाहता है और अवसर चाहता है। यही कारण है कि आज की राजनीति में युवाओं की भूमिका केवल सहायक नहीं, बल्कि निर्णायक बन चुकी है।

पुरुष मतदाताओं की भूमिका अब भी महत्वपूर्ण है,लेकिन महिला और युवा मतदाताओं के उभार ने चुनावी समीकरणों को अधिक संतुलित और प्रतिस्पर्धी बना दिया है।यह परिवर्तन लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है,क्योंकि इससे चुनाव अधिक निष्पक्ष और परिणाम अधिक प्रतिनिधिक बनते हैं।

अगर हम वर्त्तमान राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो असम, केरल और पुडुचेरी तीनों ही क्षेत्रों में अलग-अलग प्रकार के चुनावी समीकरण देखने को मिल रहे हैं। असम में जहां भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन और कांग्रेस गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है,वहीं केरल में पारंपरिक एल डी एफ (LDF) और यु डी एफ (UDF .)के बीच वैचारिक संघर्ष जारी है। पुडुचेरी में त्रिकोणीय मुकाबला चुनाव को और अधिक जटिल और रोचक बना रहा है। असम में उच्च मतदान यह संकेत देता है कि चुनाव अत्यंत प्रतिस्पर्धी है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि सत्तारूढ़ गठबंधन अपने लाभार्थी वर्ग और महिला मतदाताओं का समर्थन बनाए रखने में सफल रहता है,तो उसे बढ़त मिल सकती है ,लेकिन उच्च मतदान अक्सर सत्ता विरोधी भावना का भी संकेत होता है, जिससे चुनाव परिणाम अनिश्चित हो जाता है।

केरल में स्थिति और भी जटिल है, क्योंकि वहां का मतदाता अत्यंत जागरूक और वैचारिक है।यहाँ चुनाव परिणाम बहुत ही सूक्ष्म अंतर से तय होते हैं और यही कारण है कि दोनों प्रमुख गठबंधन पूरी ताकत से मैदान में हैं।पुडुचेरी में रिकॉर्ड मतदान यह संकेत देता है कि मतदाता परिवर्तन चाहता है या स्पष्ट जनादेश देना चाहता है, लेकिन त्रिकोणीय मुकाबले के कारण यहां हंग असेंबली की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

मतदान प्रतिशत के भीतर छिपे राजनीतिक संकेतों को यदि समझा जाए कि उच्च मतदान केवल संख्या नहीं,बल्कि एक संदेश है।यह संदेश कभी बदलाव का होता है, कभी समर्थन का और कभी संतुलन का।महिला मतदाताओं की सक्रियता यह दर्शाती है कि कल्याणकारी योजनाएं और सामाजिक सुरक्षा अब राजनीति के केंद्र में हैं।युवा मतदाताओं की भागीदारी यह बताती है कि भविष्य की राजनीति विकास और अवसरों के इर्द-गिर्द घूमेगी।

प्रथम चरण का यह मतदान यह भी स्पष्ट करता है कि भारतीय लोकतंत्र अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है।यह दौर परंपरागत समीकरणों से आगे बढ़कर विकास,पारदर्शिता और जवाबदेही पर आधारित है। मतदाता अब केवल भावनाओं के आधार पर नहीं,वरन अपने अनुभव और अपेक्षाओं के आधार पर निर्णय लेता है।

संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि 2026 के विधानसभा चुनावों का प्रथम चरण केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं,बल्कि भारत के लोकतांत्रिक आत्मविश्वास का सशक्त प्रमाण है।यह वह क्षण है जब राज्य का हर नागरिक यह महसूस करता है कि उसकी आवाज महत्वपूर्ण है,उसका वोट मूल्यवान है और उसका निर्णय देश के भविष्य को दिशा देने में सक्षम है।

यह केवल मतदान नहीं,बल्कि जनविश्वास का उत्सव है। यह केवल मतदान केआंकड़े नहीं,बल्कि जनभावनाओं की अभिव्यक्ति है। मतदाताओं की यही अभिव्यक्ति भारत के लोकतंत्र को न केवल जीवित रखती है,बल्कि उसे निरंतर सशक्त और समृद्ध भी बनाती है।

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवसः हर माँ की सुरक्षा का संकल्प

सुनील कुमार महला

(11 अप्रैल राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस पर विशेष आलेख)

11 अप्रैल को भारत में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षित प्रसव और मातृ सुरक्षा के प्रति व्यापक जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर देशभर में सरकारी और निजी संस्थानों द्वारा स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क जांच, परामर्श और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं। इस दिवस का मुख्य लक्ष्य मातृ मृत्यु दर में कमी लाना, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना, गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल, संतुलित पोषण तथा गर्भावस्था के दौरान होने वाले खतरनाक संकेतों के बारे में शिक्षित करना है। साथ ही, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना और हर महिला को सुरक्षित व सम्मानजनक प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। भारत सरकार ने 11 अप्रैल 2003 को 'व्हाइट रिबन एलायंस इंडिया' के अनुरोध पर इस दिवस की शुरुआत की थी, जिसके लिए 1800 से अधिक स्वयंसेवी संस्थाओं ने मिलकर अभियान चलाया था। इस दिवस का प्रतीक सफेद रिबन है, जो उन माताओं के प्रति शोक व्यक्त करता है जिनकी मृत्यु गर्भावस्था या प्रसव के दौरान हुई, और साथ ही आशा, पवित्रता तथा इस संदेश का प्रतीक है कि गर्भावस्था कोई बीमारी नहीं है और किसी भी महिला को जीवन देते समय अपनी जान नहीं गंवानी चाहिए।

भारत दुनिया का पहला देश है जिसने सुरक्षित मातृत्व के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय दिवस घोषित किया, जबकि अन्य देश और वैश्विक संगठन सामान्यतः 28 मई को 'इंटरनेशनल डे ऑफ एक्शन फॉर वीमेन हेल्थ' मनाते हैं। यह दिवस कस्तूरबा गांधी की जयंती पर मनाया जाता है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षित प्रसव के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। साबरमती आश्रम में उन्होंने महिलाओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और उस समय, जब स्वास्थ्य सुविधाएं अत्यंत सीमित थीं, वे स्वयं एक कुशल प्रसव सहायिका के रूप में कार्य करती थीं तथा ग्रामीण महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए शिक्षित करती थीं। इस प्रकार यह दिवस उनके मौन लेकिन महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण करने का अवसर भी है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' के अंतर्गत प्रत्येक माह की 9 तारीख को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क विशेषज्ञ जांच की सुविधा प्रदान की जाती है। 'जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत गर्भवती महिलाओं को मुफ्त प्रसव, भोजन और जांच की सुविधा मिलती है। इसके अतिरिक्त, 'नर्स प्रैक्टिशनर इन मिडवाइफरी' के माध्यम से पारंपरिक दाइयों के अनुभव को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से जोड़कर 'मिडवाइफरी लेड केयर यूनिट्स' विकसित किए जा रहे हैं, जिससे प्रसव प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित, सहज और कम तनावपूर्ण बनाया जा सके।

वास्तव में, यह काबिले-तारीफ है कि पिछले एक दशक में भारत ने मातृ मृत्यु दर में लगभग 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की है और आज लगभग 90 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों में (संस्थागत प्रसव) हो रहे हैं, जबकि 2003 में यह संख्या काफी कम थी। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार भारत का मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) घटकर 88 प्रति लाख जीवित जन्म हो गया है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के निर्धारित लक्ष्य (100 से कम) से बेहतर है। यदि वैश्विक स्तर पर तुलना करें तो 1990 के बाद से भारत ने अपनी मातृ मृत्यु दर में लगभग 86 प्रतिशत की कमी हासिल की है, जबकि इसी अवधि में वैश्विक औसत गिरावट केवल 48 प्रतिशत रही है। वर्तमान में भारत का लक्ष्य 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप इस दर को 70 से नीचे लाना है। केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मातृ मृत्यु दर को 40 से नीचे ला दिया है, जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम में यह दर अभी राष्ट्रीय औसत से अधिक है, फिर भी संस्थागत प्रसव में वृद्धि के कारण वहां तेजी से सुधार हो रहा है। इस सफलता के पीछे 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' और 'लक्ष्य' जैसे कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिनसे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, विशेषकर लेबर रूम सुविधाओं में सुधार हुआ है। साथ ही, व्यापक टीकाकरण, बेहतर पोषण और प्रसव के दौरान प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता ने मातृ स्वास्थ्य की स्थिति में व्यापक बदलाव लाया है। प्रत्येक वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2024 की थीम स्वस्थ शुरुआत, आशाजनक भविष्य रखी गई थी, जिसका उद्देश्य गर्भावस्था की शुरुआत से ही मां और शिशु के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना था। वर्ष 2025 की थीम समान मातृत्व देखभालः हर माँ का अधिकार रही, जबकि वर्ष 2026 की थीम सुरक्षित मातृत्व के लिए नवाचार और सुलभ स्वास्थ्य सेवा निर्धारित की गई है।

अंततः, यही कहूंगा कि राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस केवल एक जागरूकता दिवस नहीं, बल्कि एक मानवीय और सामाजिक दायित्व का प्रतीक है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति उसकी माताओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य से मापी जाती है। जब तक हर गर्भवती महिला को समय पर उचित देखभाल, पर्याप्त पोषण, प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवाएं और सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिलेगा, तब तक विकास अधूरा रहेगा। इस दिवस का मूल संदेश यही है कि सुरक्षित मातृत्व कोई विकल्प नहीं, बल्कि हर महिला का मौलिक अधिकार है। वास्तव में, सामूहिक प्रयासों, जन-जागरूकता और सशक्त स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के माध्यम से ही हम एक ऐसा समाज व देश बना सकते हैं, जहां हर मां सुरक्षित हो और हर नवजीवन स्वस्थ भविष्य की ओर अग्रसर हो।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

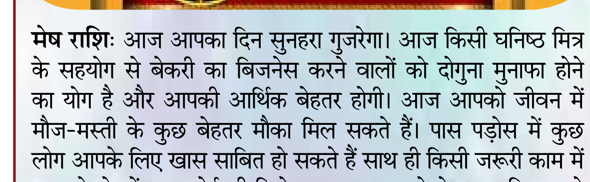

मेष राशिः आज आपका दिन सुनहरा गुजरेगा। आज किसी घनिष्ठ मित्र के सहयोग से बेकरी का बिजनेस करने वालों को दोगुना मुनाफा होने का योग है और आपकी आर्थिक बेहतर होगी। आज आपको जीवन में मौज-मस्ती के कुछ बेहतर मौका मिल सकते हैं। पास पड़ोस में कुछ लोग आपके लिए खास साबित हो सकते हैं साथ ही किसी जरूरी काम में आपको दोस्तों का सपोर्ट भी मिलेगा। आज खुद को बेहतर साबित करने के लिए दिन अच्छा है आप अपने आपको भाग्यशाली महसूस करेंगे।

वृष राशिःआज आपका दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपको अपने करियर में बदलाव लाने के लिए कुछ नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। इस राशि के जातकों को राजनीति के क्षेत्र में सफलता मिल मिलेगी। जीवनसाथी से मनपसंद की कोई चीज उपहार में मिल सकती है। आज आपके सारे रुके हुए जरूरी काम पूरे हो जाएंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। सॉफ्टवेयर इंजीनीयर्स को किसी बड़ी कंपनी से जॉब ऑफर हो सकती है और आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आप किसी काम के लिए जितना ज्यादा प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा। लेकिन आज काम ज्यादा और लाभ कम, इस तरह की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है। आज आपको वाहन चलाते समय थोड़ी सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके शुभ फलदायी रहेगा। आज आपके कारोबार में आपको लाभ ही लाभ होता नजर आएगा। आज दोस्तों के साथ बिगड़े हुए रिश्तों में भी सुधार आ सकता है। आपका भौतिक सुख-सुविधाओं की तरफ रुझान बढ़ सकता है। अगर आज आपके मन में कोई बात दबी हुई हो तो उसे खुलकर सामने लाए अपनी मां से जरूर शेयर करें।

सिंह राशिःआज आपका दिन शानदार रहेगा। आज का दिन कुछ खास कामों के लिए दिन बेहतर है। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं। व्यापार के सिलसिले में आज आप यात्रा पर भी जा सकते है, आपकी यात्रा सुखद रहेगी। आपके अच्छे अनुभव और कार्यकुशलता के कारण आपके साथी आपसे कुछ सलाह लेंगे। आज घर पर कुछ खास मेहमानों के आगमन से घर का माहौल खुशनुमा होगा और फिर शाम तक छोटी सी पार्टी का आयोजन हो सकता है।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए लकी होने वाला है। काफी दिनों से रुका हुआ पैसा आज वापस मिलेगा। आज आपको शैक्षिक के क्षेत्र में उन्नति मिल मिलेगी। लोग आपकी योजनाऔ से काफी प्रभावित होंगे। आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। आपका कॉन्फिडेंस लेवल बढ़िया रहेगा , आज जो भी काम आप करेंगे उसमें कामयाबी अवश्य मिलेगी।

तुला राशिः आज का दिन आपके फेवर में रहेगा। आज आप किसी भी जरूरी कामकाज को निपटाने में सफल होगें। आज ऑफिशियल कामों में आप अधिक व्यस्त रहेंगे साथ ही आज कोई बड़ा और अलग काम करने से आपको बचना चाहिए। परिवार में आपसे छिपाई गई कुछ बातें आज आपके सामने भी आ सकती है।

वृश्चिक राशिःआज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। आज किसी मित्र की मदद से आपके बिगड़े हुए काम भी काम बनेंगे। किसी दूसरे का उत्साह देखकर आप उत्साहित हो सकते हैं। इस राशि के स्टूडेंट्स अगर किसी नये कोर्स में एडमिशन लेना चाह रहे हैं, तो आज का दिन बेहद शुभ है।

धनु राशिःआज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अचानक से धन लाभ होने की संभावना है। आय के कुछ नए स्रोत सामने आएंगे। ऑफिस का काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा। कार्य योजनाएँ आज समय से पूरे हो जाएंगी। कार्यक्षेत्र में आपको अच्छी-खासी सफलता मिलेगी। फैशन डिजाइनिंग से जुड़े क लोगों आज सफलता के नए स्रोत मिलेंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। अगर आप संगीत के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आपको तरक्की के कई नये रास्ते नजर आ सकते हैं। आज आपको अपने जीवनसाथी से कोई ऐसी चीज भी मिल सकती है, जिसका आपको बहुत दिनों से इंतजार था।

कुंभ राशिःआज आपकी किस्मत आपका साथ देगी। आपके सोचे हुए सारे काम पूरे होंगे। इसके अलावा आज आप किसी नए काम की शुरुआत करने के बारे में भी विचार कर सकते है। जीवनसाथी के साथ रिश्ते में मधुरता आएगी। आपके मन में सकारात्मकता रहेगी। इससे आपको काफी फायदे भी होगा।

मीन राशिःआज आपके मन में नए-नए विचार आ सकते हैं। आपको ऑफिस में अपने काम की प्रशंसा के लिये थोड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को धन लाभ के मौके मिल सकते हैं। लेकिन जिम्मेदारियों के बोझ से आपका मूड थोड़ा खराब हो सकता है, लेकिन शाम तक मूड ठीक हो जाएगा। शाम को दोस्तों के साथ घूमने का प्लान भी बना सकते हैं।

सत्यशोधक ज्योतिबा फुलेः जिनके विचारों ने बदली समाज की दिशा

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास अक्सर उन लोगों को भूल जाता है जो किसी भव्य इमारत की नींव में ईंट बनकर समा जाते हैं। लेकिन जब-जब आधुनिक भारत में न्याय और बराबरी की बात होगी, ज्योतिबा फुले का नाम सबसे ऊपर लिया जाएगा। फुले कोई पारंपरिक नेता नहीं थे, वे एक ऐसे दूरद्रष्टा शिक्षक थे जिन्होंने ब्लैकबोर्ड पर अक्षर लिखने से पहले समाज की कड़वी सच्चाइयों और गरीबों के आंसू पढ़ना सीखा था। आज हम जिस आधुनिक भारत में सांस ले रहे हैं, जहाँ महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं और समाज का हर वर्ग तरक्की के सपने देख रहा है, उसकी पहली मजबूत ईंट 19वीं सदी में ज्योतिबा फुले ने ही रखी थी।वह एक ऐसा दौर था जब शिक्षा पर कुछ खास लोगों का एकाधिकार था और समाज की एक बहुत बड़ी आबादी अज्ञानता के घने अंधेरे में कैद थी। ज्योतिबा ने बहुत कम उम्र में ही यह समझ लिया था कि किसी को गुलाम बनाने के लिए लोहे की जंजीरें जरूरी नहीं होतीं, बल्कि उसे अशिक्षा के पिंजरे में कैद रखना ही काफी होता है। उन्होंने बड़ी बेबाकी से समाज को आईना दिखाते हुए कहा था- शिक्षा के बिना इंसान की बुद्धि मर जाती है और बुद्धि के बिना उसका विकास और नैतिकता हमेशा के लिए रुक जाती है। ज्योतिबा फुले के जीवन का सबसे साहसी अध्याय उनकी जीवनसंगिनी सावित्रीबाई फुले के साथ जुड़ा है। उन्होंने किसी बड़े मंच से केवल भाषण देने के बजाय, बदलाव की शुरुआत अपने घर से की। उस कट्टर समाज की कल्पना कीजिए, जहाँ औरतों का पढ़ना एक महापाप माना जाता था, वहाँ ज्योतिबा अपनी पत्नी के हाथ में कलम और किताब थमा रहे थे। जब सावित्रीबाई स्कूल पढ़ाने निकलती थीं और उन पर गोबर और कीचड़ फेंका जाता था, तो ज्योतिबा एक चट्टान की तरह उनके पीछे खड़े रहते थे। यह उन दोनों का अटूट साहस और जिद ही थी, जिसने 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ा में लड़कियों के लिए भारत के पहले स्कूल का रास्ता खोला और सदियों पुराने बंद दरवाजे हमेशा के लिए तोड़ दिए। फुले के सुधार केवल स्कूलों की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहे। उनकी पैनी नजर समाज की हर उस बुराई पर थी जो एक इंसान को दूसरे इंसान से छोटा समझती थी। उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना की, जिसका एकमात्र उद्देश्य लोगों को अंधविश्वासों के मानसिक चंगुल से बाहर निकालना था। वे केवल बातों के धनी नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपने सिद्धांतों को जीकर दिखाया। जब अछूतों के लिए पानी पीना भी अपराध माना जाता था, तब उन्होंने अपने खुद के घर का पानी का टैंक उनके लिए खोल दिया। यह उस समय के कट्टरपंथी समाज के मुंह पर एक बहुत बड़ा तमाचा था। वे जानते थे कि जब तक एक आम इंसान अपनी नजरों में खुद को गौरवशाली नहीं समझेगा, तब तक वह समाज में अपना हक कभी नहीं मांग पाएगा। अक्सर हम फुले को इतिहास की एक पुरानी तस्वीर मानकर दीवार पर टांग देते हैं, लेकिन उनके विचार आज के आधुनिक युग में भी उतने ही अनिवार्य हैं। आज हमारे पास बड़ी-बड़ी डिग्रियां तो हैं, लेकिन क्या हमारे भीतर वह सामाजिक चेतना है जो फुले पैदा करना चाहते थे? उन्होंने स्पष्ट कहा था कि शिक्षा का असली मकसद केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि खुद को स्वतंत्र बनाना और समाज के प्रति संवेदनशील होना है। आज जब हम समाज में बढ़ती नफरत और भेदभाव की नई दीवारें देखते हैं, तो फुले की गुलामगिरी जैसी कालजयी रचनाएं हमें याद दिलाती हैं कि असली मानसिक आजादी पाना अभी भी एक लंबा संघर्ष है। महात्मा फुले ने कभी अपने व्यक्तिगत सुख या आराम की चिंता नहीं की। अपनी प्रतिभा और पढ़ाई के दम पर वे चाहते तो एक बहुत ही समृद्ध जीवन जी सकते थे, लेकिन उन्होंने उन लोगों के लिए कांटों भरा रास्ता चुना जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े थे। यही कारण है कि जनता ने उन्हें अपने दिल से महात्मा की उपाधि दी थी। उनकी लड़ाई किसी विशेष धर्म या जाति के खिलाफ नहीं थी, बल्कि उनकी जंग उस अमानवीय व्यवस्था के विरुद्ध थी जो इंसान और इंसान के बीच ऊंच-नीच की दीवार खड़ी करती थी। वे किसानों के दुख-दर्द को भी उतनी ही शिद्दत से समझते थे और उनके शोषण के खिलाफ हमेशा ढाल बनकर खड़े रहे। 11 अप्रैल का यह दिन हमें रुककर यह आत्मचिंतन करने का मौका देता है कि हम फुले के सपनों के भारत के कितने करीब पहुँचे हैं। क्या आज हर गांव के बच्चे के हाथ में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है? क्या आज भी हमारी महिलाएं समाज में पूरी तरह सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस करती हैं? महात्मा फुले ने जो मशाल डेढ़ सौ साल पहले जलाई थी, उसे बुझने न देना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारत के खिलाफ टेस्ट में राशिद के बिना ही उतरेगी अफगानिस्तान

एजेंसी, नई दिल्ली

अफगानिस्तान की टीम को जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले होने वाले एकमात्र टेस्ट में अपने स्टार स्पिनर राशिद खान के बिना ही उतरना होगा। इसका कारण है कि राशिद को डॉक्टर ने सलाह दी है उन्हें अपनी कमर को आराम देना होगा। आजकल आईपीएल खेल रहे राशिद से डॉक्टर ने कहा है कि अगर वह अपना करियर लंबा करना चाहते हैं तो टेस्ट क्रिकेट से दूर रहें। इसी कारण राशिद मैच से बाहर रहेंगे। राशिद का कहना है कि उनकी प्राथमिकता साल 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए फिटनेस हासिल करना है। राशिद ने साल 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी थी पर इसके बाद भी पिछले साल उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलकर 54 ओवर किये थे। राशिद के अनुसार डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने के लिए ही कहा था। इसके बावजूद उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट खेला। उन्होंने कहा, एकदिवसीय क्रिकेट में मुझे मजा आता है और मैं अफगानिस्तान के लिए लंबे समय तक खेल सकता हूं पर फिलहाल अपनी कमर को आराम देना चाहता हूं जिससे कि उसपर अधिक दबाव न पड़े। आईपीएल के बाद भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बारे में खेलने को लेकर राशिद ने कहा कहा, ये काफी कठिन सवाल है। मैं 2025 में एक टेस्ट खेल चुका हूं और अब विश्व कप की तैयारी करूंगा। ऐसे में एक टेस्ट खेलकर अपना करियर खतरे में नहीं डाला जा सकता।

महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच बने क्रिसपिन छेत्री

एजेंसी, नई दिल्ली : क्रिसपिन छेत्री अब भारतीय महिला फुटबॉल टीम के नये मुख्य कोच बनाये गये हैं। क्रिसपिन को आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को ध्यान में रखते हुए अमेलिया वाल्वरडे की जगह पर कोच की जिम्मेदार दी गयी है। भारतीय फुटबॉल मुहासंघ को उम्मीद है कि क्रिसपिन के आने से भारतीय टीम का प्रदर्शन पहले से बेहतर होगा। वाल्वरडे का कार्यकाल इस साल की शुरुआत में समाप्त हो गया था। उनके कोच रहते हुए एएफसी महिला एशियन कप में भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। भारतीय टीम इस टूर्नोमेंट में एक भी मैच नहीं जीत पायी थी। क्रिसपिन पहले भी टीम के साथ रहे हैं। वह साल 2026 एशियन कप क्वालिफायर में टीम की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। उनके अनुभव को देखते हुए फुटबॉल महासंघ ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है, जिससे टीम बेहतर प्रदर्शन कर सके।टीम के कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव आया है। कोचिंग स्टाफ में सुजाता कर को असिस्टेंट कोच बनाया गया है। वहीं फैसल के बीपू गोलकीपिंग कोच की भूमिका निभाएंगे।एएफसी महिला एशियन कप में भारतीय टीम करीब दो दशकों बाद खेल रही थी पर वह ग्रुप स्तर पर ही बाहर हो गयी।

धोनी की तरह खेलने वाले सौरभ तीन मैचों के बाद ही हो गये थे गायब

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट में कई ऐसे खिलाड़ी आये हैं जो बेहद तेजी से चमके हैं पर बाद में गायब हो गये। यहां तक कि एक समय इन खिलाड़ियों की तुलना स्टार खिलाड़ियों से होने लगी थी पर बाद में देखा गया कि ये खिलाड़ी अपने खेल या फिटसेस को बनाये रखने में असफल रहे और मैदान से दूर हो गये। इन्हीं में से एक खिलाड़ी हैं। झारखंड के सौरभ तिवारी जिनका अंदाज पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की तरह का रहा है। धोनी की तरह ही सौरभ अपने कंधे तक लंबे बालों के कारण सबके आकर्षण का केन्द्र रहे। उनकी लंबाई भी धोनी की तरह ही थी जिससे वह कम समय में ही दूसरे धोनी कहे जाने लगे थे। सौरभ भी धोनी की तरह ही लंबे-लंबे शॉट लगाते थे। सौरभ के खेलने का तरीका भी धोनी की तरह ही आक्रामक था। साल 2008 के अंडर-19 विश्व कप में उन्होंने मध्यक्रम में विराट कोहली के साथ कई बड़ी साझेदारियां कीं थीं। उस टूर्नामेंट में उन्होंने करीब 30 की औसत से रन बनाए थे। जिससे भारतीय टीम ने मैच में जीत दर्ज की थी। आईपीएल के पहले ही सत्र में मुंबई इंडियंस ने उन्हें शामिल किया। साल साल 2010 का आईपीएल सत्र सौरभ तिवारी के करियर के लिए काफी अच्छा रहा। सचिन तेंदुलकर के साथ बल्लेबाजी करते हुए इस युवा खिलाड़ी ने 16 मैचों में 419 रन बनाये। उनकी पावर-हिटिंग और स्पिनरों के खिलाफ लंबे छक्के मारने की क्षमता से चयनकर्ता खासे प्रभावित हुए। इसी साल उन्हें भारतीय टीम में जगह मिल गयी। सौरभ ने साल 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापट्टनम में अपना पहला एकदिवसीय खेला। इस क्रिकेटर को केवल 3 एकदिवसीय मैच ही खेलने को मिले। इसमें वह दो बार नाबाद रहे और कुल 49 रन बनाए। इसके बाद फिटनेस जैसे कारणों से सौरभ टीम में जगह नहीं बरकरार रख पाये। एक बार टीम से बाहर होने के बाद उनके लिए वापसी संभव नहीं रही क्योंकि इस बीच कई नये क्रिकेटर आ गये थे। कंधे और घुटने की समस्याओं के कारण भी उनके खेल पर प्रभाव पड़ा जिससे वह आईपीएल से भी धीरे-धीरे बाहर हो गये। इसके बाद वह झारखंड के लिए खेलने लगे।

युवराज बोले, छह छक्के के लिए ललित मोदी ने मुझे इनाम में दी थी कार

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने खुलासा किया है कि उन्हें आईपीएल के पहले कमिश्नर ललित मोदी ने छह छक्के लगाने पर एक पोर्श 911 कार उपहार में दी थी। युवराज ने कहा कि से बात साल 2007 टी20 विश्व कप की है। तब उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड की 6 गेंद पर 6 छक्के लगाए थे। इस मैच में युवराज ने 19वें ओवर में ब्रॉड की गेंदों पर छह छक्के लगाये थे। इससे 12 गेंदों में ही उनका अर्धशतक पूरा हो गया था। युवराज का कहना है तब ललित मोदी ने इन छह छक्कों के लिए उन्हें कार उपहार में दी थी। युवराज ने इस बातचीत को याद करते हुए कहा, "ललित मोदी ने मुझसे कहा था कि अगर कोई छह छक्के मारता है तो मैं उसे फेरारी दूंगा। वहीं जब मैंने छह छक्के लगाए दिए तो मैंने उनसे पूछा मेरी फेरारी कहां है? तो उन्होंने कहा कि मैंने पोर्श 911 देने की बात कही थी तो मैंने फिर पूछा पर पोर्श कहां है?" इसपर उन्होंने कहा, "तुम्हें तुम्हारी कार मिल जाएगी।." इसके बाद मैंने हंसी-मजाक में पूछा, "अगर मैं अगला मैच भी जिता दूं तो क्या मुझे फेरारी मिलेगी? इस पर उन्होंने कहा कहा कि नहीं तुम्हें सिर्फ पोर्श मिलेगी और उन्होंने सही में ये कार मुझे दी थी।"ललित मोदी के अलावा उन्होंने स्टुअर्ट ब्रॉड के पिता से भी मुलाकात की थी जिसको लेकर भी उन्होंने बताया। युवराज ने बताया कि छह छक्के मारने के बाद स्टुअर्ट ब्रॉड के पिता जो रैफरी थी उन्होंने मुझसे कहा कि तुमने तो मेरे बेटे का करियर ही समाप्त कर दिया। इसके बाद उन्होंने मुझसे स्टुअर्ट के लिए एक शर्ट साइन करने को कहा।"

ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में बदलाव, अंगकृश रघुवंशी और अजिंक्य रहाणे शीर्ष पांच में शामिल

एजेंसी, कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेले हुए आईपीएल मुकाबले के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के दावेदारों में बदलाव आये हैं। अब राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी और मुम्बई के रोहित शर्मा शीर्ष पांच से बार हो गये हैं। वहीं। केकेआर के अंगकृश रघुवंशी और कप्तान अजिंक्य रहाणे अपनी अच्छी पारियों की बदौलत शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव को लाभ हुआ है।

ऑरेंज कैप की सुची में में राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहले स्थान पर हैं। उन्होंने अभी तक खेले 3 मुकाबलों में 163.46 के स्ट्राइक रेट के साथ 170 रन बनाये हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी और केकेआर के अंगकृश रघुवंशी दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। शीर्ष पांच बल्लेबाजों में सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन और केकेआर के अजिंक्य रहाणे चौथे और पांचवे नंबर पर हैं।

पर्पल कैप की सूची में राजस्थान रॉयल्स के स्टार स्पिनर रवि बिश्नोई नंबर एक पर बने हुए हैं।उन्होंने इस लीग में अभी तक तीन मैचों में 7 विकेट लिए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान के साथ-साथ दिल्ली कैपिटल्स के लुंगी एनगिडी और राजस्थान रॉल्यस के नंद्रे बर्गर शीर्ष-5 में शामिल हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव 5 विकेट के साथ 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं केकेआर के वैभव अरोड़ा 9वें पायदान पर हैं।

बिजनेस

एडीबी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 6.9 फीसदी किया

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली । विश्व बैंक के बाद एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। अगले वित्त वर्ष में इसके 7.3 फीसदी रहने की संभावना है। एडीबी ने अपने ताजा 'एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट' में मजबूत घरेलू मांग, आसान वित्तपोषण परिस्थितियों और भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के कम शुल्क के समर्थन के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। दिसंबर, 2025 में जारी 'एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट' में एडीबी ने 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। एडीबी ने कहा कि यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबे समय तक जारी रहता है, तो इससे कई माध्यमों के जरिए भारत के व्यापक आर्थिक प्रदर्शन पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इनमें ऊर्जा कीमतों में वृद्धि, व्यापार प्रवाह में बाधा एवं धन प्रेषण (रेमिटेंस) में कमी शामिल हैं, क्योंकि यह क्षेत्र भारत के बाहरी क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है। एशियाई विकास बैंक ने 'एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट' में कहा है कि खाद्य कीमतों में पहले आई गिरावट के बाद उछाल, वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि, मुद्रा की कमजोरी और कीमती धातुओं की बढ़ती कीमतों के कारण मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 2025-26 के 2.1 फीसदी से बढ़कर चालू वित्त वर्ष 2026-27 में 4.5 फीसदी हो सकती है। अगले वित्त वर्ष 2027-28 में तेल कीमतों में नरमी के कारण यह घटकर चार फीसदी रहने का अनुमान है। एडीबी ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2027-28 में आर्थिक वृद्धि दर बढ़कर 7.3 फीसदी हो सकती है, जिसे घरेलू सुधारों, यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ व्यापार समझौतों के प्रभाव और सरकारी वेतन वृद्धि से समर्थन मिलेगा। रिपोर्ट के अनुसार यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते से निर्यात को बढ़ावा मिलने से बाहरी मांग भी मजबूत होने की उम्मीद है। इस रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि से मुद्रास्फीति पर दबाव बढ़ेगा, चालू खाता घाटा बढ़ सकता है और लागत बढ़ने से आर्थिक वृद्धि प्रभावित हो सकती है। इससे पहले रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा में देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। भारत के ग्रोथ अनुमान में बढ़ोतरी की मुख्य वजह देश में मजबूत घरेलू मांग और बेहतर एक्सपोर्ट परफॉर्मेंस को माना गया है। विश्व बैंक ने भी एक दिन पहले चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 6.3 फीसदी से बढ़ाकर 6.6 फीसदी कर दिया था।

कैट—श्रीराम फाइनेंस ने लॉन्च किया फिनटेक पोर्टल, व्यापारियों तक आसान होगी क्रेडिट पहुंच

एजेंसी, नई दिल्ली

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने शुक्रवार को देश के प्रतिष्ठित वित्तीय समूह श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड की साझेदारी में फिनटेक पोर्टल लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य देशभर के व्यापारियों, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और महिला उद्यमियों के लिए सहज रूप से ऋण की उपलब्धता को बढ़ाना है। इस पोर्टल का शुभारंभ सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल और श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी जीएम जिलानी ने आज नई दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब में किया गया। इस अवसर पर खंडेलवाल ने बताया कि कैट के सदस्यों और व्यापारियों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया ये पोर्टल श्रीराम फाइनेंस लिमिटड के मजबूत ऋण वितरण तंत्र के साथ जोड़ेगा, जिससे व्यापारियों को विभिन्न वित्तीय उत्पादों तक पहुंचने में आसानी होगी। यह फिनटेक प्लेटफॉर्म विभिन्न प्रकार की वित्तीय सुविधाएं प्रदान करेगा, जिनमें एमएसएमई ऋण (सुरक्षित एवं असुरक्षित), व्यक्तिगत ऋण, स्वर्ण ऋण, दोपहिया वाहन ऋण तथा वाणिज्यिक वाहन वित्तपोषण शामिल हैं। खंडेलवाल ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म व्यापारियों को डिजिटल माध्यम से ऋण आवेदन करने की सुविधा देगा, जबकि अंतिम प्रक्रिया और वितरण श्रीराम फाइनेंस के व्यापक शाखा नेटवर्क के माध्यम से पिनकोड के आधार पर किया जाता है। यह हाइब्रिड मॉडल गति, पहुंच और व्यक्तिगत सहायता सुनिश्चित करता है, जिससे डिजिटल सुविधा और जमीनी स्तर पर सेवा के बीच की खाई को पाटा जा सके। सांसद ने कहा कि कैट के विशाल नेटवर्क और श्रीराम फाइनेंस की मजबूत ऋण क्षमताओं को जोड़कर हम व्यापारियों को सरल, पारदर्शी और प्रभावी तरीके से औपचारिक वित्त तक पहुंच प्रदान कर रहे हैं। श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी जीएम जिलानी ने कहा कि यह साझेदारी विश्वसनीय नेटवर्क के माध्यम से ऋण पहुंच का विस्तार करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि व्यापारी और छोटे व्यवसाय भारत की विकास यात्रा के केंद्र में हैं। कैट की मजबूत जमीनी पहुंच का लाभ उठाते हुए हम अपने वित्तीय समाधान वहां तक पहुंचा रहे हैं, जहां उनकी सबसे अधिक आवश्यकता है। जिलानी ने कहा कि यह पोर्टल लॉन्च ऐसे समय में हुआ है, जब व्यापारी और छोटे व्यवसाय अभी भी औपचारिक ऋण तक पहुंच में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में शांति वार्ता के एक बार फिर पटरी पर लौटने की खबर से दुनिया भर के बाजार का मूड सुधरता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका और इजरायल तथा ईरान के बीच जारी जंग के थमने की उम्मीद की वजह से बाजार में उत्साह का माहौल बना हुआ है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। हालांकि यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार आज चौतरफा मजबूती के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।

पश्चिम एशिया में जारी जंग के शांतिपूर्ण समाधान के लिए चल रही कोशिश के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए।

डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 275.88 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की तेजी के साथ 48,185.80 अंक तक पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.62 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,824.66 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 186.66 अंक यानी 0.82 प्रतिशत उछल कर 22,821.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 48,200.25 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,603.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,245.80 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 273.64 अंक यानी 1.15 प्रतिशत फिसल कर 23,806.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में शांति होने की उम्मीद की वजह से एशियाई बाजार में भी आज जोश नजर आ रहा है। एशिया के सभी नौ बाजार के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं।

जेएएल के चेयरमैन ने कंपनी के अधिग्रहण को लेकर अडाणी समूह पर जताया भरोसा

एजेंसी, नई दिल्ली

जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के चेयरमैन जयप्रकाश गौर ने कंपनी के अधिग्रहण को लेकर अडाणी समूह पर अपना भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि लेनदारों की समिति और रेज़ोल्यूशन प्रोफेशनल ने एक निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई है।उन्होंने कहा कि गौतम अडाणी के नेतृत्व में कंपनी सभी हितधारकों की उम्मीदों पर खरा उतरेगी। जयप्रकाश गौर ने कहा कि उनकी कंपनी 1979 से लंबी और भावनात्मक यात्रा का हिस्सा रही है। कंपनी ने हाल ही में अडाणी समूह के साथ एक नया अध्याय शुरू किया है। कंपनी ने विभिन्न प्रमुख प्रोजेक्ट्स जैसे बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट, जलविद्युत परियोजनाएं, सीमेंट प्लांट्स, और जयपी विश टाउन, जयपी ग्रीन्स, जयपी स्पोर्ट्स सिटी विकसित किया, जो कंपनी के लिए गर्व की बात रही है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी ने वित्तीय कठिनाइयों का सामना किया और उसे इनसॉल्वेंसी प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। इस कठिन समय में कंपनी ने सभी हितधारकों, गृह-खरीदारों, कर्मचारियों, बैंकों और भागीदारों के साथ मिलकर समाधान निकालने का प्रयास किया। गौतम अडाणी की अडाणी समूह ने दिवालिया प्रक्रिया के तहत जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) का लगभग 14,535 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करने की बोली जीती है। ये सौदा सीमेंट, बुनियादी ढांचा और रियल एस्टेट संपत्तियों के लिए है। सुप्रीम कोर्ट ने वेदांता समूह की आपत्तियों के बावजूद इस अधिग्रहण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

सर्राफा बाजार में फिसला सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज गुरुवार के शुरुआती कारोबार की तुलना में 2,170 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,360 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसी तरह चांदी कीमत में भी कल के शुरुआती कारोबार की तुलना में 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,470 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,38,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,51,620 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,51,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,51,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अल्लू अर्जुन ने जन्मदिन पर फैंस को तोहफा दिया

एटली की फिल्म एए22&ए6 का टाइटल राका

पुष्पा स्टार का बाल्ड स्टाइल में शॉकिंग फर्स्ट लुक आउट

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन आज यानी 8 अप्रैल को 44 साल के हो गए हैं. आज इस शुभ मौके पर अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड पैन इंडिया एक्शन थ्रिलर फिल्म एए22&ए6 का टाइटल पोस्टर सामने आ चुका है. टाइटल के साथ-साथ अल्लू अर्जुन की शॉकिंग फर्स्ट लुक भी सामने आया है. मेकर्स ने फिल्म का टाइटल पोस्टर को आज अल्लू अर्जुन के बर्थडे पर रिवील करने का ऐलान किया था. फैंस का इंतजार अब खत्म हो चुका है. एटली के निर्देशन में बनी फिल्म को लेकर खूब चर्चा है और अल्लू अर्जुन के फैंस के लिए यह गिफ्ट किसी बड़ी ट्रीट से कम नहीं है.

फिल्म एए22&ए6 का नाम अब राका है. यानी फिल्म में अल्लू अर्जुन राका के रोल में होंगे. वहीं, फिल्म से आए अल्लू अर्जुन का फर्स्ट लुक बहुत ही शॉकिंग है और आज तक स्टाइलिश स्टार को इस अवतार में नहीं देखा गया है. अल्लू अर्जुन का अपने फर्स्ट लुक में हाफ बाल्ड दिख रहे हैं और उनके हाथ किसी दानव की तरह हैं, जिसके नाखून लंबे-लंबे हैं. फिल्म सात भाषा हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़, ऊर्दू और बंगाली में भी रिलीज होगी. फिलहाल फिल्म की रिलीज डेट का एलान नहीं किया गया है. अब अल्लू अर्जुन का यह फर्स्ट लुक उनके फैंस को बड़ा शॉक्ड देने वाला है.

अल्लू अर्जुन और फिल्म के डायरेक्टर एटली ने भी इस पोस्टर को सोशल मीडिया पर जारी किया था और इसके कैप्शन में लिखा था, धमाके लिए तैयार रहे, फिल्म का टाइटल पोस्टर जारी होगा. अब अल्लू अर्जुन और एटली की जोड़ी की साथ में पहली फिल्म ने उनके फैंस के दिलों की धड़कनों को बढ़ा दिया है. अब पुष्पा स्टार के फैंस का दिल बाग-बाग हो चुका है और अब वो इस फिल्म की रिलीज के इंतजार में बैठ चुके हैं.बता दें, शाहरुख खान के साथ जवान बनाने के बाद से एटली इस फिल्म पर काम कर रहे हैं. इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी होंगी. दीपिका इससे पहले एटली के साथ फिल्म जवान में काम कर चुकी हैं. अल्लू अर्जुन के साथ दीपिका की यह पहली फिल्म है. इस फिल्म से दीपिका पादुकोण के स्टंट और एक्शन के कुछ सीन भी पहले ही सामने आ चुके हैं.

फिल्म

शिवानी के लिए शोस्टॉपर बनकर रैंप पर उतरीं सहर बंबा

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के सुपुत्र आर्यन खान की आगामी सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अभिनेत्री सहर बंबा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सहर बंबा हाल ही में एक फैशन इवेंट में डिजाइनर शिवानी निरुपम के लिए शोस्टॉपर बनकर रैंप पर उतरीं। इस मौके पर सहर ने फैशन की दुनिया से जुड़े दबावों और इंटरनेट पर खुद को फैशन एक्सपर्ट बताने वाले आलोचकों के साथ-साथ ट्रोलर्स को लेकर अपनी बेबाक राय साझा की। सहर ने स्पष्ट किया कि वह इन सभी बाहरी प्रभावों का बिल्कुल भी दबाव नहीं लेतीं और अपने सहज स्टाइल पर कायम रहती हैं। यह पूछे जाने पर कि वह फैशन से जुड़े इन दबावों से कैसे निपटती हैं, सहर ने बेबाकी से कहा, अगर आप हर बार घर से निकलते समय यह सोचते रहेंगे कि मेरे ड्रेस सेंस या फैशन को देखकर कोई कुछ लिख देगा या ट्रोल करेगा, तो आप खुद पर बेवजह बहुत ज्यादा प्रेशर डाल रहे हैं। यह वास्तविकता है कि लोग अपनी राय रखते हैं और कमेंट करते हैं, लेकिन मेरा मानना है कि एक व्यक्ति को बस साफ-सुथरा और प्रेजेंटेबल दिखना चाहिए।

उन्होंने जोर देकर कहा कि मैं खुद इस बात का बिल्कुल भी प्रेशर नहीं लेती, क्योंकि अनावश्यक चिंताएं आपके व्यक्तिगत स्टाइल को भी प्रभावित कर सकती हैं। ब्रांडेड कपड़ों पर खर्च करने के बारे में पूछे जाने पर सहर बंबा ने स्पष्ट किया कि वह बिल्कुल भी ब्रांड कॉन्शस नहीं हैं। उनके लिए किसी कपड़े का ब्रांड लेबल मायने नहीं रखता, बल्कि उसकी सहजता और व्यक्तिगत पसंद महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा, जब मुझे कोई चीज पसंद आ जाती है, खासकर छुट्टियों या सफर के दौरान, तो मैं उसे खरीद लेती हूं। जो दिल को अच्छा लगे, वही मेरे लिए असली फैशन है। मेरी पसंद हमेशा से ऐसी ही रही है, जहां मैं कपड़ों को उनकी खूबसूरती और अपनी पसंद के आधार पर चुनती हूं, न कि उनके ब्रांड के आधार पर। अपने व्यक्तिगत फैशन स्टाइल को और स्पष्ट करते हुए सहर ने बताया, मेरे लिए फैशन का सीधा मतलब है कम्फर्ट। वो कपड़े जो मेरी पर्सनैलिटी का हिस्सा हों, जिनमें मैं सहज महसूस करूं और जिनके लिए मुझे बहुत ज्यादा मेहनत न करनी पड़े, वही मेरे लिए वास्तविक फैशन हैं। उनका मानना है कि फैशन ऐसा नहीं होना चाहिए जिसके लिए आपको रोजाना परेशान होना पड़े या जो आपकी दिनचर्या पर बोझ बन जाए। कपड़े व्यक्ति के आत्मविश्वास को बढ़ाएं और उसकी सहजता को प्रतिबिंबित करें, यही उनकी फैशन फिलॉसफी का मूल है। रैंप वॉक से पहले बैकस्टेज के अपने अनुभव पर बात करते हुए सहर ने बताया कि वह शुरुआत में थोड़ी नर्वस थीं। उन्होंने साझा किया, मैं ज्यादातर बैकस्टेज ही रहती हूं, लेकिन जैसे ही रैंप पर कदम रखती हूं और म्यूजिक बजता है, मुझे एक अलग ही ऊर्जा महसूस होती है और अच्छा महसूस होने लगता है। इस बार के डिजाइनर शिवानी निरुपम के कलेक्शन की उन्होंने खूब तारीफ की।

चांद मेरा दिल का टीजर जारी, प्यार में पागलपन की कहानी लेकर आए लक्ष्य-अनन्या

अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी की आगामी फिल्म चांद मेरा दिल का टीजर जारी कर दिया गया है। धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित और विवेक सोनी द्वारा निर्देशित यह एक म्यूजिकल-रोमांटिक फिल्म है जो रिलीज से पहले ही खूब चर्चा बटोर रही है। लक्ष्य तीसरी बार अपने अभिनय का हुनर दिखाने को तैयार हैं। इससे पहले उन्हें किल और आर्यन खान की सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड से चर्चा मिली थी। फिल्म चांद मेरा दिल 22 मई को सिनेमाघरों का रुख करेगी। करण जौहर एक बार फिर प्यार, पागलपन और दर्द भरी प्रेम-कहानी के जरिए दर्शकों को लुभाने आए हैं। टीजर की शुरुआत लक्ष्य और अनन्या के रोमांटिक रिश्ते से होती है। बैकग्राउंड में आवाज आती है, प्यार में थोड़ा पागल तो होना ही पड़ता है। हालांकि, जल्द ही एक अप्रत्याशित मोड़ आता है दोनों के रिश्तों में दूरियां आ जाती हैं। कुल मिलाकर फिल्म का टीजर दर्द, तड़प और गहन भावनात्मक रिश्तों पर केंद्रित किया गया है। इस फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है . गाने में म्यूजिक सचिन -जिगर ने दिया और लिरिक्स अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं, जो इस कहानी को और भी इमोशनल बना रहा है. टीजर में खूबसूरत लोकेशन्स और मंदिर के कुछ सीन्स भी दिखाए गए हैं, जिससे उनकी लव स्टोरी में अलग टच देखने को मिल रहा है.

कॉकटेल 2 का नया गाना जब तलक हुआ रिलीज, मस्ती में डूबीं रश्मिका मंदाना और कृति सैनन, शाहिद

डायरेक्टर होमी अडजानिया की फिल्म कॉकटेल 2 रिलीज की तैयारी कर रही है और 19 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। आज बुधवार को मेकर्स ने इसका नया गाना जब तलक रिलीज कर दिया है। इस गाने में शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना अपने डांस से रंग जमा रहे हैं। इस गाने को अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज से सजाया है और इसे प्रीतम चक्रवर्ती ने कंपोज किया है। लिरिक्स अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और इसे होमी अडजानिया ने डायरेक्ट किया है।

कॉकटले 2 की रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और बीते दिनों इसकी घोषणा की गई थी। फिल्म कॉकटेल 2 में शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सैनन ने जमकर डांस किया है। यूनिवर्सल म्यूजिक यूट्यूब चैनल पर कॉकटेल 2 का रिलीज हो गया है और महज 1 घंटे में ही इसे 1 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने की तैयारी कर रही है। बीते दिनों फिल्म के सेट की तस्वीरें भी सामने आती रही हैं। अब देखना होगा कि क्या ये तिकड़ी बॉक्स ऑफिस पर अपना असर छोड़ने में सफल रहती है या नहीं।

बता दें कि डायरेक्टर होमी अडजानिया ने साल 2012 में फिल्म कॉकटेल बनाई थी। इसमें सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी ने लीड रोल निभाया था। इसके साथ ही वमन इरानी और डिंपल कपाड़िया ने भी अहम किरादरों में अपनी एक्टिंग का समां बांधा था। कहानी लवट्रांयगल की थी। फिल्म में गौतम कपूर (सैफ अली खान) को विरोनिका (दीपिका पादुकोण) से प्यार है। विरोनिका बोल्ड और बिंदास लड़की है जो अपनी जिंदगी को खुलकर जीती थी। इसके साथ ही इन दोनों की मुलाकात मीरा सेठी (डायना पेंटी) से होती है जो एक एनआरआई से शादी करके विदेश में जाती है। लेकिन उसका पति उसे बीच मंजधार में छोड़ देता है और तीनों की दोस्ती हो जाती है। तीनों की ये दोस्ती अंत में लव ट्रांयगल में फिट हो जाती है और कहानी मजा देने लगता है। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी हिट रही थी। अब देखना होगा कि क्या कॉकटेल 2 भी दर्शकों को अपना दीवाना बना पाती है या नहीं।

है जवानी तो इश्क होना है का सामने आया लुक वरुण धवन-पूजा का दिखा रोमांटिक अंदाज

वरुण धवन और पूजा हेगड़े की नई फिल्म है जवानी तो इश्क होना है कथित तौर पर मई महीने में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लेकिन रिलीज से पहले आज मंगलवार को वरुण धवन ने फिल्म की शूटिंग की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वरुण और पूजा नदी के किनारे रोमांटिक पोज देते नजर आ रहे हैं। वरुण ने आज अपनी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है के सेट से एक खास रोमांटिक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वरुण अभिनेत्री पूजा हेगड़े के साथ रोमांटिक पोज देते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ वरुण धवन ने कैप्शन में लिखा, इश्क सिर्फ एक बार होता है। वरुण की इस तस्वीर पर जान्हवी कपूर ने मजाकिया कमेंट किया। जान्हवी ने लिखा, लेकिन आप कैप्शन में क्यों चिल्ला रहे हैं? जान्हवी कपूर और वरुण धवन पहले बवाल और सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी जैसी फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं। है जवानी तो इश्क होना है फिल्म का शीर्षक फिल्म बीवी नंबर 1 के गाने इश्क सोना है से लिया गया है, जिसमें सलमान खान और सुष्मिता सेन ने अभिनय किया था। तस्वीर के बैकग्राउंड में 1999 की पुरानी फिल्म इश्क सोना है का गाना बज रहा है। फिल्म है जवानी तो इश्क होना है की शूटिंग पिछले साल शुरू हुई थी। पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम पर ऋषिकेश से वरुण के साथ गंगा आरती की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए थे। फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी कर रहे हैं। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। पूजा हेगड़े की आखिरी फिल्म देवा थी, जिसमें उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया था। वरुण धवन आखिरी बार बॉर्डर 2 में नजर आए थे।

रोजाना सुबह एक गिलास नींबू पानी पीने से मिल सकते हैं ये 5 प्रमुख फायदे

नींबू में विटामिन-सी के साथ एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इम्यूनिटी को बढ़ावा देने और शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड पाचन क्रिया को बेहतर करने से लेकर वजन कम करने तक में लाभदायक है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि नींबू का पानी भी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है? आइए जानते हैं कि रोजाना सुबह एक गिलास नींबू पानी पीने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

पाचन क्रिया को कर सकता है बेहतर : नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड पाचन क्रिया को बेहतर करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा नींबू के पानी में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर में गैस्ट्रिक एंजाइम के उत्पादन को सुविधाजनक बनाकर पाचन क्रिया को सुचारू रखने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में आधे नींबू का रस निचोड़कर पिएं। इससे पाचन को बेहतर करने में मदद मिल सकती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को दे सकता है बढ़ावाः नींबू में भरपूर विटामिन-सी होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा नींबू में सूजन कम करने वाले और बैक्टीरिया को खत्म करने वाले गुण होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में सहायक हैं। नींबू के पानी में विटामिन-सी की मात्रा बढ़ाने के लिए इसे बनाने के लिए ताजे और कसे हुए नींबू का उपयोग करें। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती देने में सहायक हो सकता है।

वजन को नियंत्रित करने में है कारगरः नींबू के पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट्स के साथ वजन घटाने वाले गुण मौजूद होते हैं, जो शरीर में चर्बी के संचय को रोककर मोटापे को कम करने में मदद कर सकते हैं। साथ ही नींबू का पानी शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और पाचन क्रिया को बेहतर कर सकता है, जो वजन नियंत्रित करने में सहायक है। इससे वजन घटाने में मदद मिल सकती है।

लिवर को साफ करने में है मददगार : नींबू का पानी लिवर को साफ करने में मदद कर सकता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करके लिवर को साफ करने में सहायक है। नींबू के पानी में एक खास एसिड पाया जाता है, जो शरीर में मौजूद अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद कर सकता है। यह लिवर को साफ करने में सहायक हो सकता है।

सांसों की बदबू कर सकता है दूर : नींबू के पानी में बैक्टीरिया को खत्म करने वाले गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया को खत्म करके सांसों की बदबू दूर करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा नींबू के पानी में मौजूद साइट्रिक एसिड लार के उत्पादन को बढ़ावा देकर दांतों पर प्लाक बनने से रोक सकता है। लाभ के लिए रोजाना सुबह एक गिलास गुनगुने पानी में आधे नींबू का रस निचोड़कर पिएं। यह सांसों की बदबू दूर करने में सहायक हो सकता है।

27L out of West Bengal rolls after adjudication, maximum from Muslim, Matua belts

KOLKATA, Agency: Shamsherganj and Lalgola constituencies of Bengal's Muslim-dominant Murshidabad district had the highest number of voters removed from the electoral rolls after post-SIR judicial adjudication, while the Purulia-Jhargram tribal belt reported the least deletions, based on collated Election Commission data released on Thursday.

The figures for Murshidabad - 74,775 deletions out of 1,08,400 names that were under adjudication in Shamsherganj, followed by 55,420 out of 99,082 in Lalgola - constitute a fraction of the 27-lakh purge reflected in supplementary rolls. The state's overall voter count now stands at 6.7 crore.

The assembly-wise breakup shows that besides Murshidabad, significant deletions took place in Malda, North Dinajpur, South 24-Parganas and Birbhum. Matua-dominant pockets of North 24-Parganas and Nadia lost voters, too.

Electoral rolls for the 142 constituencies going to polls in the second phase on April 29 were frozen on Thursday, which means no further additions, deletions or corrections will be allowed until elections are over. Lists for the other 152 constituencies that will vote in the first phase were sealed on April 6. SC is scheduled to hear Bengal govt's plea for a review on April 13, leaving a small window of hope for the 27 lakh voters deleted from the rolls.

The scale of deletions in Shamsherganj assumes significance in view of the recent flare-ups in the area, including protests linked to the Waqf (Amendment) Act and clashes during Ram Navami processions. In neighbouring Malda, Mothabari has emerged as a flashpoint. On April 1, protests over deletion of voter names en bloc turned violent, with mobs blocking roads, clashing with security personnel and gheraoing judicial officers for several hours. More than 37,000 names out of 79,683 under adjudication in Mothabari were struck off the rolls.

In Krishnanagar North, Krishnanagar South, Ranaghat North West, Ranaghat North East and Ranaghat South, over 90% of those placed under adjudication didn't make the cut. Deletions ranged between 67% and 88% in all six assembly segments of Bongaon.

Since the release of the data earlier this week, Bengal CM Mamata Banerjee has repeatedly flagged what she terms "targeted exclusions".

Sukesh Chowdhury, secretary of the All India Matua Mahasangha, said mass exclusion from the voters' list had fuelled anxiety within the community. He said the CM's promise of legal support was reassuring.

Bikash Ghosh, of BJP's Bongaon unit, said affected voters would receive assistance in moving tribunals to seek restoration of their names. Two of the state's most closely watched constituencies - Bhowanipore in Kolkata and Nandigram in East Midnapore - reported deletions that are below the state average.

Court pulls up Sikrahna SDPO

Sagar Suraj

Dhaka court takes cognisance of alleged judicial interference by Sikrahna SDPO; cites prima facie violation of law and abuse of authority

MOTIHARI: A court at Dhaka in East Champaran district has taken a stern view of the conduct of Sikrahna Sub-Divisional Police Officer (SDPO) Uday Shankar, observing that there is prima facie evidence of interference in judicial proceedings and violation of statutory provisions. In an order passed in connection with a complaint case, the court of Additional Chief Judicial Magistrate Vivek Kumar Mishra noted that an arms licence seized in Pachpakadi police station case no. 153/2025 had been duly placed under judicial custody after being formally recorded in the seizure list. Despite this, the SDPO allegedly issued a written direction to the investigating officer to release the licence without obtaining permission from the court. The court observed that such an act not only amounted to misuse of official authority but also indicated an attempt to exert undue pressure on subordinate

officials. It further recorded that the SDPO's conduct appeared to be in direct contravention of established legal procedure governing matters already under judicial consideration. The court had earlier sought an explanation from the officer. However, despite being given sufficient opportunity, no satisfactory reply was filed. Additionally, a detailed report had been requisitioned on February 24, 2026, from both the SDPO and the Superintendent of Police, Motihari. The court noted that no factual report had been received so far. Referring to the materials on record, the court held that the actions of the SDPO, prima facie, reflected a conscious disregard for legal mandates, thereby affecting the administration of justice. It also pointed out that such conduct could attract penal provisions under Sections 199(b) and 208 of the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023, which deal with wilful disobedience of law by a public servant and non-compliance with lawful court directions. The case had earlier come under judicial scrutiny when a magistrate took suo motu cognisance. Despite summons, the officer reportedly failed to appear before the court. Citing established legal principles and rulings of the Supreme Court, the court underlined that actions of a public servant that fall outside the scope of official duty and constitute abuse of position do not enjoy legal protection.

Army clears Lt Col Shrikant Purohit, acquitted in Malegaon blasts case, for promotion

New Delhi, Agency: Lieutenant Colonel Prasad Shrikant Purohit, who was acquitted last year in the Malegaon blast case, has been cleared for promotion to the rank of brigadier, sources said on Friday.

In July 2025, an NIA court acquitted Purohit and six others, including former BJP MP Pragya Singh Thakur, in the case.

Purohit had moved the Armed Forces Tribunal (AFT) following his acquittal, claiming that his career progression had been "adversely affected" by the prolonged trial. He argued that delays in the judicial process denied him a fair opportunity for promotion within the Army hierarchy.

Last month, the Armed Forces Tribunal (AFT) stayed his retirement, which was due on March 31, while hearing his plea seeking promotion and related service benefits. The tribunal directed the Ministry of Defence to keep his retirement on hold until a decision is taken on his statutory complaint.

At the time of his arrest in November 2008, Purohit was serving as a lieutenant colonel in military intelligence - marking the first instance of a serving Army officer being implicated in a terrorism-related case in the country.

He spent nearly nine years in custody before being granted bail by the Supreme Court in September 2017.

Malegaon blast The blast occurred on September 29, 2008, when an explosive device strapped to a motorcycle detonated near a mosque in the Bhikku Chowk area of Malegaon in Maharashtra, killing six people and injuring 95 others.

Assam, Puducherry record highest-ever voter turnouts

New Delhi, Agency: Record voter turnouts were seen in assembly polls in Assam, Kerala and Puducherry on Thursday, with Election Commission officials describing it as a "validation" of special intensive revision and special revision of electoral rolls and a sign of people's "unflinching trust in the electoral process". Polling surged past previous peaks - reaching all-time highs of 91.2% in Puducherry and 85.8% in Assam, while Kerala's 78.2% is the state's highest since 1987.

Officials said final figures could rise after consolidation of reports.

Puducherry surpassed its previous high of 86.2% from 2011, while Assam broke its 2016 record of 84.7% when BJP formed its first govt, dethroning Congress after its three-term unbroken run. In Assam, turnout marked the highest since the first elections in 1951.

Chief election commissioner Gyanesh Kumar said the polls were a "historic testimony not only for India but for the entire democratic world", congratulating voters in Assam and Puducherry. An EC official said Thursday repeated the success story of Bihar polls in Nov 2025, recording the state's highest turnout ever. The official said removal of deceased, shifted, absent and duplicate voters reduced total rolls, lifting turnout percentages. Another said door-to-door enumeration doubled as a voter awareness drive, boosting participation. "It made the electors aware of their voting right, leading to heightened enthusiasm," he said.

"Electors... have reposed total faith in SIR, notwithstanding questions raised by opposition parties," another EC official said, adding the exercise validated both roll accuracy and conduct of elections. Kerala's electorate shrank by about 9 lakh (3.2%), Puducherry's by 7.6% or 77,367 voters, and Assam saw net deletions of around 2.4 lakh, almost 1% of its draft electorate.

Muslim-majority seats saw spike in Assam In Assam, participation surged unevenly. Muslim-majority constituencies led the spike, with Dalgaon in Darrang district recording 94.5% turnout and 15 similar constituencies crossing 90%. Upper Assam's Hindu-majority belt logged about 82%, below the state average and slightly lower than 2021. Bodo areas averaged 85%, Barak valley 82.9%, while hill districts of Karbi Anglong and Dima Hasao recorded the lowest at 74.2%.

Chief minister Himanta Biswa Sarma called the participation "not ordinary but historic", and projected a sweeping mandate. "I think we will secure 90-plus seats (in 126-member assembly). Even if we touch 100, there is nothing to be surprised about," he said.

Assam's single-phase election was marked by sporadic clashes in multiple constituencies which left around 30 people wounded and seven arrested. In Kerala, voters turned out despite heat, pushing several districts past 80%. Queues continued past official closing time. Prominent politicians, including CM Pinarayi Vijayan, Congress's V D Satheesan, and BJP's Rajeev Chandrasekhar voted early. Film personalities such as Mammootty, Mohanlal, Suraj Venjaramoodu and Asif Ali also cast ballots.

In Thiruvananthapuram, first-time voters received halwa boxes and thank-you cards as part of outreach efforts.

With just an hour to go, Congress pulls out of Baramati race

PUNE/MUMBAI, Agency: Just an hour was left for withdrawal of nominations on Thursday when the Congress finally responded to requests from the Pawar family and the Mahayuti partners and dropped its candidate against NCP chief and deputy chief minister Sunetra Pawar in the Baramati bye-election.

Twenty-two independent candidates still remain in the contest, but now there is no major challenge to the widow of Ajit Pawar, whose death in an aeroplane crash on Jan 28 has necessitated the bypoll.

Polling is to be conducted on April 23 and votes will be counted on May 4.

Maharashtra Chief minister Devendra Fadnavis, Sunetra Pawar, and NCP (SP) MP Supriya Sule and MLA Rohit Pawar spoke to senior Congress party leaders to persuade the party not to field a candidate in Baramati, a constituency Ajit Pawar had been representing since 1991.

Even NCP (SP) chief Sharad Pawar, who had earlier said the Congress was not wrong in contesting the Baramati bypoll, now advised his alliance partner to withdraw. "Maharashtra lost a talented politician like Ajit Pawar. The Baramati seat fell vacant due to a tragic accident and against this backdrop, my advice to the Congress would be to not contest the seat. It is a national party and we can at most appeal to them. Ultimately, it must decide," Sharad Pawar said.

Rohit Pawar met state Congress chief Harshwardhan Sapkal in Mumbai requesting withdrawal, after which another delegation of NCP leaders, including MLA Sana Malik, met him for the same purpose.

Chief minister Devendra Fadnavis called Sapkal on the phone. "I requested Sapkal to follow the tradition of Maharashtra and withdraw from Baramati the way BJP did after the death of former home minister R R Patil," he said.

President Murmu nominates Harivansh Narayan Singh to Rajya Sabha

New Delhi, Agency: In a key development for the Upper House, President Droupadi Murmu has nominated Harivansh Narayan Singh to the Rajya Sabha, filling the vacancy left by the retirement of former Chief Justice of India Ranjan Gogoi.

The nomination was made under Article 80(1)(a) of the Constitution, recognising Harivansh's contributions to journalism and social service. His new term will run until 2032, ensuring his continued role in parliamentary functioning.

"In exercise of the powers conferred by sub-clause (a) of clause (1)

of article 80 of the Constitution of India, read with clause (3) of that article, the President is pleased to nominate Shri Harivansh to the Council of States to fill the vacancy caused due to retirement of one of the nominated member," an official notification of the government said.

Fragile truce in place, India reaches out to Gulf nations

New Delhi, Agency: With a fragile ceasefire in place in West Asia, India is looking to renew engagement with the Gulf through visits by Union external affairs minister S Jaishankar to the UAE and petroleum and natural gas minister Hardeep Singh Puri to Qatar. India welcomed the ceasefire between Iran and US-Israel, hoping it would restore vessel movement through the key Strait of Hormuz.

While Puri is on a two-day visit to Doha, Jaishankar will arrive in the UAE on Saturday to deepen the comprehensive strategic partnership with India's key Gulf partner. Both countries are vital energy suppliers for India, UAE being the fourth largest source for crude oil and second largest source for LNG and LPG. Qatar is the largest supplier of LNG to India, accounting for over 40% of its global LNG imports .

Puri is the first Indian minister to visit the Gulf since the conflict began on Feb 28. He was received by India's ambassador to Qatar and officials of

QatarEnergy, the state-owned petroleum and natural gas company.

The visit is significant as India seeks to secure energy supplies with shipping through the Strait of Hormuz set to resume. Sujata Sharma, joint secretary in the ministry of petroleum and natural gas, however, said details of discussions will be known once he returns.

India imports nearly 50% of its liquefied natural gas (LNG) and about 60% of LPG, with a large share coming from Doha. The conflict disrupted supplies routed via the Strait of Hormuz, which remained shut for nearly a month.

West Bengal: Presiding officer in 12 polls now finds himself out of rolls

KOLKATA/RANAGHAT, Agency: A 97-year-old Partition refugee who never missed a vote is struck off the rolls. A 72-year-old retired teacher who presided over a dozen polls is deleted despite papers. A 68-year-old collapsed and died in a tribunal queue. Fallout from SIR has rippled across Bengal.

Subarna Bala Poddar, born in undivided Bengal and displaced in 1947, has voted in every election. Her name is now missing. Unaware of the omission, she said: "Shorir dile vote debo (If health permits, I will vote)." If she fails to vote? She shot back: "I have a voter's card. Why can't I vote?"

Her family from Narkeldanga in Kolkata said she earlier used the home voting facility. This time, despite submitting voter ID, Aadhaar, passbook and widow pension records, her claim failed. A spelling error - "Swarna Bala" in 2002 rolls - triggered a hearing, and documents were rejected. Fresh inclusion via

Form 6 also failed. Four of eight family members will vote; four, including two grandsons, have lost rights. A TMC booth agent said the rolls in that area fell from 1,326 to 1,092.

In Hooghly, S Asraful Haque, a retired teacher who served as presiding officer in 12 elections, has been deleted while his family remains on rolls. He produced a passport, land records, PAN, Aadhaar and bank papers. "We have been living here for generations. I have ancestral land records from 1944. In the 1956 voter list, my parents' names were there, and I have that document. My name was there in the 2002 list. Still, I was called for a hearing. No specific reason was mentioned in the notice," he said. He has appealed to a tribunal. "Is it possible to delete the name of a person who has a passport, land records and pension order?" he asked after finding himself under adjudication and then in a supplementary deletion list.

In Nadia's Ranaghat, Jibankrishna Biswas died after collapsing while waiting in a queue outside an SDO office to file an appeal over deletion of his and his daughter's names. His kin blamed stress linked to SIR. TMC staged a protest, blaming the Centre for his death. "Politics took his life," his daughter said.

Tamil Nadu CM M K Stalin takes Chennai Metro during poll campaign, interacts with commuters

New Delhi, Agency: Tamil Nadu chief minister M K Stalin on Friday made a surprise appearance on the Chennai Metro, travelling from Chennai Central to DMS station as part of his election campaign ahead of the Assembly polls. During the journey, the DMK chief interacted with passengers, spoke to daily commuters and sought support for his party, turning a routine metro ride into a public outreach exercise. 'A journey filled with people's affection' Sharing a video of the ride on X, Stalin described the experience as "a journey filled with people's affection," while recalling his role in shaping the metro project during his tenure as deputy CM. He said he had travelled to Japan to secure funding support from JICA for the project and highlighted how the first and Central to St Thomas Mount-has already seen millions of journeys.